CMYK

एक अरब टन कोयला उत्पादन की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964

त्रिनिदाद और टोबैगो में अप्रैल में आम चुनाव होंगे

वर्ष-61 › अंक - 80 | रायपुर | शुक्रवार 21 मार्च 2025 विक्रम संवत 2081 | पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

अमित शाह ने राज्यसभा में विपक्ष को घेरा

देश के 3 नासूर आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को खत्म करने का संकल्प

एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सुरक्षा को लेकर राज्यसभा में महत्वपूर्ण बयान दिया है. उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद को लेकर करारा जवाब दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सुरक्षा को लेकर राज्यसभा में अहम बयान दिया. उन्होंने कहा,'बीते 10 साल में सुरक्षा और मजबूत हुई है. उन्होंने कहा कि समय के हिसाब से बदलाव काफी जरूरी हैं. हम हर चुनौती से निपट रहे हैं. इस दौरान शाह ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया.' उन्होंने कहा 'अब कई अपराध सीमा से बाहर हो रहे हैं. बीते चार दशकों से देश में चार नासूर थे. इसमें जम्मू कश्मीर में आतंकवाद पहला नासूर था. वहीं दूसरा नक्सलवाद और उत्तर पूर्व उग्रवाद तीसरा नासूर था. हमने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की. जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को खत्म कर दिया. पहले की सरकार आतंकी हमलों को भूल जाती थी।'

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी जंग लड़ रहे : शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'साल 2025 में कश्मीर में एक भी हड़ताल नहीं हुई. सरकार आतंकवाद को सह नहीं सकती है. अब कश्मीर में जनप्रतिनिधि चुनकर आते हैं. यहां पर अब निवेश का माहौल बना हुआ है. इस पर जम्मू-कश्मीर में चुनाव के वक्त एक भी गोली नहीं चली. हमने कश्मीर में बंद पड़े पड़े सिनेमाघरों को खोला.' गृह मंत्री अमित शाह के कहा, 'हमारा मकसद नक्सलवाद को खत्म करना है. उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी से नक्सलवाद के खिलाफबड़ी जंग लड़ रहे हैं. 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म किया जाएगा.'

वोट बैंक के कारण अनुच्छेद 370 को नहीं हटाया गृह मंत्री अमित शाह के कहा, 'मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है. हमने आतंकवाद को लेकर करारा जवाब दिया. हमने एक देश के दो विधान को खत्म कर डाला. पहले ही सरकार ने वोट बैंक के कारण अनुच्छेद 370 को नहीं हटाया. अब लाल चौक पर तिरंगा फहराया जा रहा है. इससे पहले आतंवादियों के जुलूस निकाले जाते थे. अब आतंकी जहां पर मरते हैं, वहीं दफ्न कर दिए जाते हैं.'

कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं : शाह

राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए अमित शाह ने कहा,' एक तरह से गृह मंत्रालय बहुत कठिन परिस्थितियों में कामकाज कर रहा है. संविधान ने कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों को सौंपी है. सीमा सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा गृह मंत्रालय के तहत आती है. इस दौरान कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है. मगर जब कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों की है तो 76 वर्ष के बाद अब ऐसी स्थिति है कि कई तरह के अपराध राज्य की सीमा तक सीमित नहीं हैं. वे अंतरराज्यीय भी हैं. बहुराज्यीय भी हैं- जैसे नारकोटिक्स, साइबर अपराध, संगठित अपराध गिरोह, हवाला.

ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग पर केंद्र सरकार सख्त, 1298 ब्लॉक ऑर्डर किए जारी

संवाददाता।

नई दिल्ली, 20 मार्च (आरएनएस)। ऑनलाइन गेमिंग से पैदा होने वाले जोखिमों और लत से होने वाले नुकसान पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-24 के बीच ऑनलाइन सट्टेबाजी/ जुआ/गेमिंग वेबसाइटों (मोबाइल एप्लिकेशन सहित) से जुड़े 1,298 ब्लॉकिंग निर्देश जारी किए हैं। रेल और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, सरकार की नीतियों का उद्देश्य इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए एक ओपन, सेफ, विश्वसनीय और जवाबदेह इंटरनेट सुनिश्चित करना है।

इस लक्ष्य को पाने के लिए सरकार ने संबंधित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद ऑनलाइन गेम से उत्पन्न होने वाली विभिन्न सामाजिक-आर्थिक चिंताओं को दूर करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में संशोधनों को अधिसूचित किया।

आईटी नियम, 2021 ऑनलाइन गेम को लेकर दूसरे मध्यस्थों, सोशल मीडिया मध्यस्थों या प्लेटफार्मों सहित ऑनलाइन गेमिंग मध्यस्थों पर विशिष्ट दायित्व डालता है। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा को बताया कि ऐसे मध्यस्थों को किसी भी कानून का उल्लंघन करने वाली किसी भी सूचना को होस्ट, स्टोर या प्रकाशित नहीं करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, वे अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भी बाध्य हैं, जिसमें आईटी नियम, 2021 के तहत वर्गीकृत गैरकानूनी सूचनाओं को हटाने की दिशा में उनकी तुरंत कार्रवाई शामिल है।

चारधाम यात्रा का रजिस्ट्रेशन शुरू

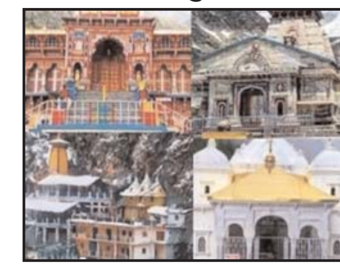

एजेंसी। देहरादून. उत्तराखंड की चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. 30 अप्रैल से चारों धाम यानी बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा का आगाज होगा, जिसके लिए गुरुवार से रजिस्ट्रेशन खोले जा चुके हैं. पहले ही दिन 1.65 लाख से ज्यादा लोग चारधाम यात्रा के लिए रजिस्टर कर चुके हैं.

कैसे करें रजिस्ट्रेशन

चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन या ऑफ्लाइन रजिस्ट्रेशन करवाना बेहद जरूरी है. इसके बिना आप चारधाम की यात्रा नहीं कर सकते हैं. ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए registrationandtouristcase.uk.gov.in पर जाकर आधार कार्ड की मदद से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. वहीं ऑफ्लाइन रजिस्ट्रेशन के लिए हरिद्वार और ऋषिकेश में केंद्र स्थापित किए गए हैं.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिशा सालियान के पिता की याचिका स्वीकार की

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान द्वारा दायर उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी की मौत और इस मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे की कथित संलिप्तता की नए सिरे से जांच की मांग की है। सतीश सालियान ने अदालत में दावा किया कि उनकी बेटी की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में आदित्य ठाकरे और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की संलिप्तता को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनकी याचिका बॉम्बे हाई कोर्ट की रजिस्ट्री में जमा कर दी गई है और इस मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना जताई जा रही है।

हरियाणा में नया कानून किया लागू, खून के रिश्ते में होगा साझी जमीन का बंटवारा

संवाददाता।

चंडीगढ़. हरियाणा सरकार ने विधानसभा में भू-राजस्व (संशोधन) विधेयक पारित कर दिया गया. जिसके अनुसार अब पति-पत्नी को छोड़कर साझे खाते की जमीन का बंटवारा खून के रिश्तों में भी होगा.

साझा भूमि के विवाद को लेकर सहायक कलेक्टर एवं तहसीलदार की अदालतों में एक लाख से अधिक केस चल रहे हैं. राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने दावा किया कि नए कानून से प्रदेश के 14 से 15 लाख किसानों को राहत मिलेगी. ऐसे में उन सभी मामलों में, जहां कोई रक्त संबंधी सह-स्वामित्वकर्ता संयुक्त भूमि पर हिस्सेदारी की मांग करता है, को राहत के लिए नियमों में नई धारा जोड़ी गई है. पति-पत्नी को छोड़कर यह धारा सभी पर लागू होगी, चाहे साझी भूमि के मालिक खून के रिश्ते में ही क्यों न हों. अधिनियम की धारा 114 के अनुसार राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि कोई अन्य सह-स्वामी अपनी हिस्सेदारी की जमीन का बंटवारा करना चाहते हैं या नहीं. यदि हां तो उन्हें भी बंटवारे के लिए आवेदनकर्ताओं के रूप में जोड़ा जाएगा. नए कानून के तहत संयुक्त भू-मालिक, चाहे वे खून के रिश्ते में ही क्यों न हों, उन्हें संबंधित सहायक कलेक्टर एवं तहसीलदार के नोटिस जारी करने की तिथि से छह माह के भीतर बंटवारे का राजीनामा पेश करना होगा. अगर निर्धारित अवधि में सभी संयुक्त भू-मालिकों द्वारा आपसी सहमति से भूमि विभाजन का करार पेश नहीं किया जाता तो राजस्व अधिकारी छह महीने का समय और दे सकते हैं. यदि सभी संयुक्त भू-मालिकों द्वारा आपसी सहमति से भूमि विभाजन का करार पेश किया जाता है, तो संशोधित अधिनियम की धारा 111-क (3) के अंतर्गत भूमि के विभाजन का इंतकाल धारा 123 के प्रविधान के अंतर्गत कर दिया जाएगा.अधिकारियों ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक 69 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है।

भाषा विवाद मामला : आरएसएस ने 3-भाषा फॉर्मूला किया पेश

नईदिल्ली,एजेंसी।

नई दिल्ली.त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच बढ़ते विवाद के बीच आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है.

आरएसएस ने त्रि-भाषा फार्मूला के इस्तेमाल की वकालत करते हुए कहा कि व्यक्ति की मातृभाषा, उस व्यक्ति के निवास की क्षेत्रीय भाषा और करियर की भाषा जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है. शुक्रवार सुबह बेंगलुरु में शुरू हुई तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में संघ ने डीएमके ने त्रि-भाषा फार्मूला पर विवाद बढ़ाने वालों पर हमला बोला है.

दक्षिणी राज्यों को इससे नुकसान नहीं होगा

संघ ने डीएमके ने उन ताकतों के बारे में चिंता व्यक्त की जो राष्ट्रीय एकता को चुनौती दे रही हैं, खासकर उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ाकर, चाहे वह परिसीमन हो या भाषाएं. परिसीमन के बारे में पूछे जाने पर आरएसएस नेता सी आर मुकुंदा ने कहा कि यह सरकार का फैसला है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिणी राज्यों को इस अभ्यास में नुकसान नहीं होगा. अगर किसी दक्षिणी राज्य में 543 में से कुछ संख्या में लोकसभा सीटें हैं, तो उस अनुपात को वैसे ही रखा जाएगा.

आपस में झगडऩा देश के लिए अच्छा नहीं

आरएसएस नेता सी आर मुकुंदा ने कहा कि लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसी चीजें हैं जो ज्यादातर राजनीति से प्रेरित हैं, जैसे कि रुपये का प्रतीक स्थानीय भाषा में होना. इन चीजों को सामाजिक नेताओं और समूहों को संबोधित करना होगा. आपस में झगडऩा देश के लिए अच्छा नहीं है. इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए.

आरएसएस ने पेश किया त्रि-भाषा फार्मूला - मुकुंदा ने कहा, हमारी सभी रोजमर्रा की चीजों के लिए मातृभाषा का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. आरएसएस ने तीन-भाषा या दो-भाषा प्रणाली क्या होनी चाहिए, इस पर कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया है, लेकिन मातृभाषा पर हमने पहले ही प्रस्ताव पारित कर दिया है. मुकुंदा ने कहा, सिर्फ स्कूल सिस्टम में ही नहीं बल्कि समाज में भी हमें कई भाषाएं सीखनी पड़ती हैं. एक हमारी मातृभाषा है, दूसरी क्षेत्रीय भाषा या जहां हम रहते हैं वहां की बाजार की भाषा होनी चाहिए. अगर मैं तमिलनाडु में रहता हूं, तो मुझे तमिल सीखनी होगी।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने चला आखिरी दांव

भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश से की अपील

नई दिल्ली, मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा अपना भारत प्रत्यर्पण रोकने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है। उसने अपने भारत प्रत्यर्पण को रोकने के लिए एक और दांव चला है। तहव्वुर राणा ने अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स से अपील की है। बता दें तहव्वुर राणा ने इससे पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एलेना कागन के सामने भी अपील की थी, लेकिन उस याचिका को खारिज कर दिया था।

आगामी 4 अप्रैल को तहव्वुर राणा की अपील पर सुनवाई हो सकती है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। अपनी अपील में तहव्वुर राणा ने उसका भारत प्रत्यर्पण रोकने की अपील की है। दरअसल तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण का डर सता रहा है। तभी जब उसने जस्टिस एलेना से अपील की थी तो उसमें कहा था कि उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है और इसके चलते वह ज्यादा लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाएगा।

तहव्वुर राणा ने कहा कि वह एक मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है। साथ ही वह पूर्व में पाकिस्तानी सेना में भी सेवाएं दे चुका है। इसके कारण उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है। मुंबई हमले के साजिशकर्ता ने ये भी कहा कि उसकी सेहत ठीक नहीं है और वह कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है। ऐसे में उसे भारत में प्रताड़ित कर मारा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा।

उत्तर कोरिया ने किया सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण

मुंबई, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने नवीनतम सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने पिछले दिन एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम के प्रक्षेपण की निगरानी की, जिसका हाल ही में पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू किया गया है। उत्तर कोरिया ने कहा कि परीक्षण का उद्देश्य सिस्टम की व्यापक परफ ॉर्मेंस की जांच करना था।

राज्य के विधायकों के लिए खुशखबरी, वेतन-भत्ते और पेंशन में होगा इजाफा, सीएम का ऐलान

नई दिल्ली रायपुर. छत्तीसगढ़ से एक गुड न्यूज सामने आई है. सीएम विष्णु देव साय ने विधायकों के हित में बड़ा कदम उठाया. राज्य सरकार ने विधानसभा सदस्यों के वेतन भत्ता पेंशन संशोधन अधिनियम को पारित किया. इसके तहत राज्य के विधायकों के वेतन, भत्ते और पेंशन में इजाफा होगा. अगर सीएम की बात करें तो इस वक्त उनका वेतन 1 लाख 35 हजार है, लेकिन अब उनकी सैलरी में 50 हजार रुपये तक की वृद्धि हो सकती है. वहीं, मंत्रियों को हर महीने 1 लाख 30 हजार रुपये मिलते हैं, जोकि अब बढ़कर 1 लाख 75 हजार होने की संभावना है. साथ ही सीएम और मंत्रियों को भत्ता और डेली अलाउंस भी मिलता है. इसमें भी वेतन भत्ता पेंशन संशोधन अधिनियम के तहत इजाफा होगा.

विधायकों की सैलरी में हुई वृद्धि अगर विधायकों की बात करें तो उन्हें वेतन-भत्ते के रूप में 95,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं. संशोधित विधेयक पास होने के बाद विधायकों के भी वेतन, भत्ते और पेंशन में बढ़ोतरी होगी. नेता प्रतिपक्ष समेत विपक्ष के विधायकों की सैलरी में वृद्धि होगी।

विदेश | रुसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने एक्स पर ट्विट कर यह जानकारी दी।

पुतिन यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर 30 दिनों तक हमले रोकने पर सहमत

एजेंसी।

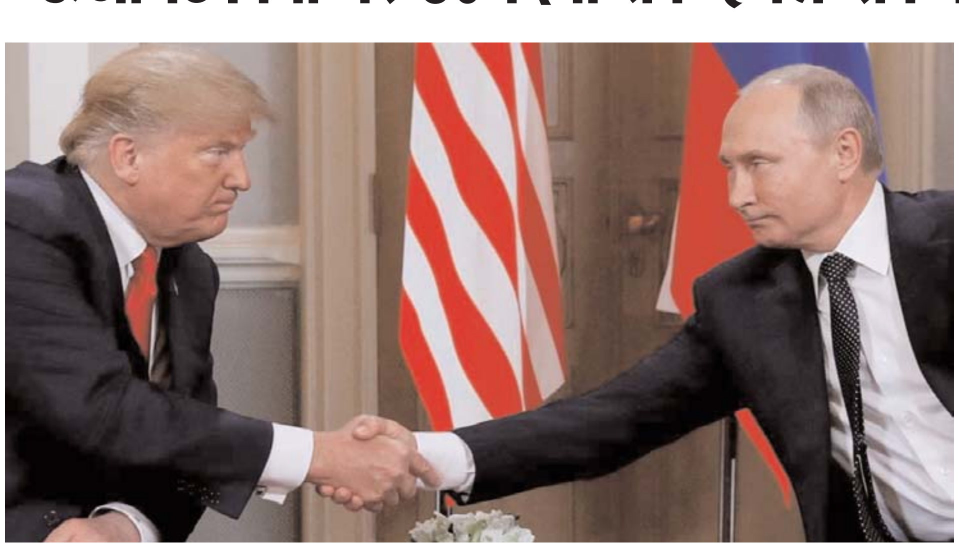

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के बाद क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर 30 दिनों के लिए हमले रोकने पर सहमत हो गए हैं। रुसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने एक्स पर ट्विट कर यह जानकारी दी। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप और व्लादिमीर पुतिन के बीच 90 मिनट तक फोन पर बातचीत समाप्त हुई। यूक्रेन में युद्धविराम के लिए इस बातचीत को काफ़ी अहम माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ़ऑफ़स्टाफ़डैन स्कैविनो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक से पोस्ट के ज़रिए दोनों नेताओं के बीच बातचीत की जानकारी दी।

डैन स्कैविनो लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप इस वक्त ओवल ऑफ़िस में हैं और रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात कर रहे हैं। यह बातचीत अच्छी चल रही है और अब समाप्त हुई है। इससे पहले, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बताया था कि वह मंगलवार को राष्ट्रपति पुतिन से बात करेंगे और इस बातचीत का प्रमुख मुद्दा यूक्रेन युद्ध होगा।

अमेरिका फ़िलहाल यूक्रेन में युद्धविराम की कोशिश में लगा है। पिछले हफ़्ते सऊदी अरब में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ हुई बातचीत में यूक्रेन ने अमेरिका के 30 तीनों के युद्धविराम के प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है। सर्वश्री ट्रंप और पुतिन के बीच जनवरी महीने के बाद एक बार फिर से बातचीत हुई है।

श्री ट्रंप ने 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने के पांच दिनों बाद दुनियाभर के कई नेताओं से बात की थी, जिनमें रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी शामिल थे।

हिंदू विरोधी टिप्पणी के खिलाफ ढाका यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन

वाशिंगटन , एजेंसी।

ढाका ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह ने हिन्दू स्टूडेंट्स ऑफ ढाका यूनिवर्सिटी और बांग्लादेश यूनाइटेड सनातनी अवेकनिंग अलायंस के बैनर तले प्रदर्शन किया।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, स्टूडेंट्स ने सोशल मीडिया पर एक साथी छात्र की ओर से हिंदू धर्म और एक देवता के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी के खिलाफ विरोध किया। बताया जा रहा है कि आरोपी छात्र इस तरह की टिप्पणियां कई बार कर चुका है।

छात्रों ने आरोपी को निलंबित करने और उसके लिए कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने भविष्य में यूनिवर्सिटी से सनातन धर्म की गलत व्याख्या को रोकने के लिए संस्थागत उपाय करने की अपील की। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारी छात्रों ने साहित्यिक विश्लेषण कक्षाओं के दौरान शिक्षकों को हिंदू धर्म की गलत व्याख्या करने से रोकना और यूनिवर्सिटी के ढाका बिस्सोबिद्दलॉय शिक्षार्थी संसद फेसबुक ग्रुप पर अल्पसंख्यकों को लक्षित करने वाली अपमानजनक पोस्टों के खिलाफ कार्रवाई करना शामिल है।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि उनके धार्मिक मूल्यों का सम्मान नहीं किया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अल्पसंख्यक धर्मों का अपमान किया जाता है तो कोई कदम क्यों नहीं उठाया जाता।

महिला पर्यवेक्षकों की भर्ती एवं नवजात शिशुओं के पोषण का उठा मुद्दा

संवाददाता। विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान भावना बोहरा ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन वितरण एवं कोविड-19 के समय केंद्र सरकार द्वारा अन्न प्रदाय के वितरण में तत्कालीन प्रदेश की कांग्रेस सरकार में हुई गड़बड़ी का विषय विधानसभा में उठाया। भावना बोहरा ने प्रश्न पूछा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ में निवासरत गरीब परिवारों के लिए प्रतिमाह कितना चावल राज्य को आबंटित किया जाता है? राज्य सरकार द्वारा अप्रैल, 2023 से फरवरी, 2025 तक इस योजना अंतर्गत कितने चावल का वितरण किया गया? जिसका उत्तर देते हुए माननीय खाद्य मंत्री दयालदास बघेल जी ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अंत्योदय एवं प्राथमिकता राशनकार्डधारियों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित मासिक प्रात्रता अनुसार

वर्तमान में 1,15,338 टन चावल प्रतिमाह आबंटित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 तक 25,70,780 टन चावल का वितरण किया गया। पूरक प्रश्न करते हुए भावना बोहरा ने कहा की कोविड-19 के समय में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशवासियों को राहत देने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत की थी। योजना के तहत प्रतिमाह 5 किलो अनाज का निशुल्क वितरण हेतु केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को आवंटित अनाज का वितरण नहीं होने की लगातार शिकायत मिल रही है जिसके संबंध में उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 के समय हुई इस अनियमितता की जांच की मांग भी उन्होंने सदन के समक्ष रखा। जिसके उत्तर में माननीय मंत्री जी ने कहा कि इसकी शिकायत नहीं मिली है यदि इसकी शिकायत उपलब्ध कराते हैं तो जांच की जाएगी। भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा अंतर्गत संचालित राशन दुकानों के संबंध में प्रश्न करते हुए पूछा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत संचालित राशन दुकानों के लिए वर्ष 2023-2024 से 1 फरवरी, 2025 तक कितने गोदाम निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है एवं कितने गोदामों का निर्माण हो चुका है और कितने शेष हैं ? कितने गोदाम जर्जर हैं? उक्त अवधि में कितनी राशन दुकानें भवनविहीन हैं? इन भवनविहीन दुकानों एवं जर्जर गोदामों का भवन निर्माण एवं जीर्णोद्धार कब तक किया जाएगा? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में माननीय खाद्य मंत्री जी ने बताया कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत संचालित उचित मूल्य दुकानों के लिए प्रश्नांकित अवधि में उचित मूल्य दुकान-सह-गोदाम निर्माण स्वीकृत नही किया गया है। वर्तमान में विकासखण्ड पण्डरिया में 27 उचित मूल्य दुकान विकासखण्ड कवर्धा में 08 उचित मूल्य दुकान तथा विकासखण्ड सहसपुर लोहारा में 17 उचित मूल्य दुकान के गोदाम मरम्मत किये जाने योग्य है। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में 62 उचित मूल्य दुकान में स्वयं के दुकान सह गोदाम भवन नहीं है। विभागीय बजट में राशि का प्रावधान होने पर नवीन उचित मूल्य दुकान-सह-गोदाम निर्माण स्वीकृत किया जा सकेगा। भावना बोहरा ने महिला पर्यवेक्षकों के रिक्त पदों के संबंध में प्रश्न करते हुए पूछा कि कबीरधाम जिले में महिला पर्यवेक्षकों के कितने पद स्वीकृत हैं? स्वीकृत पदों में से कितने पद रिक्त हैं? रिक्त पद कब तक भर लिए जाएंगे? रिक्त महिला पर्यवेक्षकों के स्थान पर प्रभारी की भूमिका किसी और को दी जाती है? यदि हां तो किसे दी जाती है ? जिसके लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि कबीरधाम जिला में महिला पर्यवेक्षको के 63 पद स्वीकृत है। स्वीकृत पदो में से पर्यवेक्षको के 02 पद रिक्त है। रिक्त पद की पूर्ति के संबंध में निश्चित समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है। रिक्त महिला पर्यवेक्षको के स्थान पर प्रभारी की भूमिका अन्य सेक्टर के पर्यवेक्षक को दी जाती है। विकासखंड कवर्धा, बोड़ला, पंडरिया एवं सहसपुर लोहारा में कुल 63 पद स्वीकृत हैं जिसमें 4 पद रिक्त हैं। कवर्धा परियोजना में 2 पर्यवेक्षक अतिशेष रूप से पदस्थ हैं एवं सहसपुर लोहारा में 1 पर्यवेक्षक द्वारा कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया है। नवजात शिशुओं के पोषण व स्वास्थ्य के संबंध में प्रश्न पूछा कि माह जनवरी, 2024 से 1 फरवरी, 2025 तक प्रदेश में कितने नवजात शिशुओं की 1 वर्ष से कम की आयु में पर्याप्त पोषण ना मिलने से मृत्यु हुई है ? गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशु हेतु शासकीय कौन-कौन सी योजनाएं संचालित हैं? किन-किन योजनाओं में विगत 1 वर्षों में कितने लाभार्थी दर्ज हुए हैं?

कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज का होली मिलन 23 मार्च को

एजेंसी। कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज का होली मिलन समारोह 23 मार्च 2025 दिन रविवार को स्थानीय कान्यकुब्ज सांस्कृतिक भवन, खंडेलवाल कालोनी, कौरिनभाठा, राजनांदगांव में आयोजित किया जायेगा। आयोजन प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ होकर शाम तक आयोजित होगा जिसमें राजनांदगांव नगर के अतिरिक्त डोंगरगॉव, बांधा बाजार, अंबागढ़ चौकी, केसरीटोला इत्यादि क्षेत्रों से भी विप्रजन उपस्थित होंगे। आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं होली मिलन के साथ होगा। दोपहर के भोजन के पश्चात पुरूष एवं महिला मंडल द्वारा बैंसवारी फाग का रंगारंग आयोजन किया जायेगा। कान्यकुब्ज सभा के अध्यक्ष पंडित प्रदीप मिश्रा एवं महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती ममता अवस्थी ने सभी सामाजिक सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

ब्लॉक महासमुंद में बैंक मित्रों को वितीय साक्षरता व साइबर क्राइम पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

महासमुंद, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ श्री एस आलोक के मार्गदर्शन में और जनपद पंचायत के सहयोग से ब्लॉक स्तर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विकासखंड महासमुंद में आयोजित हुआ, जिसमें वित्तीय साक्षरता समुदाय संसाधन व्यक्ति और बैंक मित्रों को वित्तीय लेनदेन के सुरक्षित तरीकों की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में साइबर क्राइम, माइक्रो फाइनेंस से जुड़े फ्रॉड और वित्तीय अनुशासन पर चर्चा की गई। खेल और गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि वे अपने और अपने समुदाय के सदस्यों के वित्तीय लेन-देन को सुरक्षित कैसे रख सकते हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत महासमुंद के और तकनीकी सहायता एजेंसी के प्रतिनिधि ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने डिजिटल पेमेंट, बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव, सुरक्षित पासवर्ड प्रबंधन और वित्तीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।इस कार्यक्रम में ब्लॉक महासमुंद के सभी क्लस्टर के बैंक मित्रों और क्लस्टर प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को काफी उपयोगी बताया और इसे अपने क्षेत्र में लागू करने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देना और डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते उपयोग के साथ आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए समुदाय को सक्षम बनाना था। इससे ग्रामीण महिलाएं और स्वयं सहायता समूह के सदस्य भी अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे।प्रशिक्षण में शामिल एक प्रतिनिधि ने कहा, यह प्रशिक्षण हमारे लिए बहुत उपयोगी रहा। अब हम अपने क्लस्टर के अन्य सदस्यों को भी साइबर फ्रॉड और सुरक्षित बैंकिंग के बारे में जागरूक कर पाएंगे।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत जिला स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित

विजेता समूह राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

महासमुंद, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के तहत आयोजित जिला स्तरीय कुकिंग प्रतियोगिता 2024-25 न केवल स्वाद और पाक-कला का उत्सव था, बल्कि पोषण और स्वच्छता के महत्व को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच भी साबित हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले के पांचों विकासखंडों से दो-दो महिला स्व-सहायता समूहों ने भाग लिया, कुल 10 समूहों ने अपने उत्कृष्ट व्यंजनों के माध्यम से स्वस्थ और संतुलित आहार का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर विनय कुमार लहंगे और जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक ने प्रतिभागियों के व्यंजनों का स्वाद चखकर उनकी सराहना की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मध्यान्ह भोजन भी इसी तरह पौष्टिक और स्वच्छता से भरपूर हो, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हो और स्कूल छोड़ने की दर में कमी आए।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री मोहन राव सावंत द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समूहों को कलेक्टर विनय कुमार लहंगे द्वारा पुरस्कृत किया गया।विजेताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शासकीय प्राथमिक शाला कुसगुर को 6000 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई, जिसे जय माँ सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह, कुसगुर ने प्राप्त किया।द्वितीय स्थान पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, पासिद रही, जिसे 4000 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। इस पुरस्कार को कस्तुरबा महिला स्व-सहायता समूह, पासिद ने प्राप्त किया। इसी तरह, तृतीय स्थान पर स्वामी आत्मानंद स्कूल, सांकरा रहा, जिसे 2000 रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। इस श्रेणी में गाँ शक्ति महिला स्व-सहायता समूह, सांकरा को सम्मानित किया गया। प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले समूह अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महासमुंद जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस आयोजन में जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड अधिकारी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन 3 अप्रैल तक आमंत्रित

दुर्ग, एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 के अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र-डबरापारा (अ) में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन 03 अप्रैल 2025 तक कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 में (नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा) में सीधे अथवा पंजीकृत डाक से भेजा जा सकता है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-2 से प्राप्त जानकारी अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्र डबरापारा-अ के नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा वार्ड क्रमांक 12 केन्द्र क्रमांक डबरापारा-1 में आंगनबाड़ी सहायिका की भर्ती की जानी है। आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है।

पांडेटोला सरपंच सहित कार्य कर्ताओ ने जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविंद्र वैष्णव को श्री फल भेंटकर किया सम्मानित

धमतरी, । राजनांदगांव। जिला पंचायत अध्यक्ष किरण रविन्द्र वैष्णव को बधाई देने के लिए पहुंचे ग्राम पंचायत पांडेटोला के सरपंच कीर्तन साहु एवं समस्त पंच गण और बिहान महिला समुह व बीजेपी कार्यकर्तागण कुमार साहु,नकुल नेताम,विक्रम साहु, लखन दास,रेवा राम साहु,बलेश्वर साहु,धन्नु साहु,बलदेव साहु आदि मिलकर श्री फल भेट कर बधाई दी।

परिक्षेत्र साहू संघ कोकपुर ने मनाई होली मिलन एवं पंचायत प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

जिला पंचायत सदस्य जागृति चुन्नी यदु को किया सम्मानित **

राजनांदगांव।डोंगरगाव विधानसभा अंतर्गत परिक्षेत्र साहू संघ कोकपुर के द्वारा होली मिलन एवं पंचायत प्रतिनिधियों के अभीनंदन समारोह ग्राम कोकपुर में सम्मिलित हुई क्षेत्र की लोकप्रिय जिला पंचायत सदस्य श्रीमती जागृति चुन्नी यदु।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविंद्र वैष्णव जी अध्यक्ष जिला पंचायत राजनांदगाव प्रमुख अतिथि श्रीमती जागृति चुन्नी यदु जी सदस्य जिला पंचायत राजनांदगाव,अध्यक्षता श्रीमती विभा साहू जी सदस्य जिला पंचायत राजनांदगाव, विशिष्ट अतिथि श्रीमती रंजीता पड़ोती जी अध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव, श्रीमती अनिता पंचारी जी सदस्य जनपद पंचायत डोंगरगांव,श्रीमती मीना साहू जी उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ डोंगरगांव,ग्राम सरपंच श्रीमती अन्नपूर्णा सिन्हा जी सहित समस्त साहू संघ के पदाधिकारी गण ग्राम के वरिष्ठ जन सहित ग्रामवासी उपस्थित रहें।

राजनांदगांव जनपद पंचायत अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि होली मेल जोल,प्रेम और सोहार्द का पर्व है जो समाज में भाईचारे को और भी मजबूत करता है इस तरह के उत्सव हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाएं रखते हैं और हमें अपने अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं उन्होंने आगे कहा कि यह अवसर केवल रंगों का नहीं था बल्कि उसमें अपनत्व,स्नेह और खुशियों की अनगिनत रंग घुले हुए थे।

एमआइसी सदस्य और अधिकारीयो ने विभागवार बजट पर चर्चा की..

दुर्ग। महापौर परिषद की बजट बैठक आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार की अध्यक्षता में बुलाई गई। आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा व महापौर परिषद के समस्त एमआईसी नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चन्द्राकर, श्रीमती लीना देवांगन, चंद्रशेखर चन्द्राकर, काशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, मनीष साहू, नीलेश अग्रवाल, श्रीमती शशि साहू, श्रीमती हर्षिका जैन,शिव नायक, लीलाधर पाल की उपस्थिति में बजट विचारार्थ प्रस्तुत किया। गुरुवार को दोपहर 2,30 बजे सदस्यों द्वारा आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं निगम सचिव रेवाराम मनु की उपस्थिति में आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट पर चर्चा की गई। उसके बाद बजट को सामान्य सभा में रखा जाएगा।

प्रख्यात देशभक्त संत साई जलकुमार मसंद साहिब का दिल्ली में हुआ भव्य सम्मान

संवाददाता।

सिंधी समाज दिल्ली ने गौ प्रतिष्ठा अभियान में अपना सक्रिय सहयोग करने का दिया भरोसा

रायपुर/दिल्ली,। रायपुर निवासी सिंधी समाज के प्रख्यात देशभक्त संत साई जलकुमार मसन्द साहिब के दिल्ली पधारने पर पूज्य सिंधी पंचायत झूलेलाल धाम अशोक विहार, भारतीय सिंधु सभा दिल्ली प्रांत, इंडस सिंधु आर्गेनाइजेशन आदि संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष बैठक आयोजित कर उनका भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली सिंधी समाज के वरिष्ठ नेता, विख्यात सिंधी पंचायत झूलेलाल धाम, अशोक विहार के अध्यक्ष श्री लखमीचन्द मकरानी ने की। कार्यक्रम के संयोजक विश्व सिंधी सेवा संगम के अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर श्री भरत वतवाणी रहे।

इस अवसर पर पूज्यपाद साई मसन्द साहिब ने भारत के पूज्यपाद चारों शंकराचार्यों? के नेतृत्व व मार्गदर्शन में कार्यरत परम धर्म संसद 1008 द्वारा पिछले दो वर्षो से चलाये जा रहे गौ प्रतिष्ठा आंदोलन के महत्व एवं उसकी आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। परम धर्म संसद 1008 भारत सहित कुल एक सौ देशों के धार्मिक और सामाजिक शीर्षस्थ विभूतियों का समूचे विश्व के हिन्दू समाज के लिए एक मार्गदर्शक संगठन है। पूज्यपाद साई जलकुमार मसन्द साहिब इस अंतरराष्ट्रीय हिन्दू संगठन के संगठन मंत्री हैं। वे दिल्ली में आयोजित परम धर्म संसद की बैठक में शामिल होने दिल्ली पधारे थे।

साई मसन्द साहिब जी ने जानकारी दी कि वे करीब तेरह वर्षों से देश के पूज्यपाद शंकराचार्यों एवं अन्य महान संतों के सहयोग से देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों पर आधारित शासन स्थापित करवाकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का अभियान चला रहे हैं। वे आगामी 23 मार्च को अमर शहीद हेमू कालानी के जन्मदिवस के अवसर पर कानपुर के सिंधु इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं हेमू कालानी मेमोरियल शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर अपना आशीर्वाद देंगे।

पायलट के सामने छलका कवासी का दर्द कहा, मुझे फंसाया गया

रायपुर, । जैसे ही प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट सेंट्रल जेल पहुंचे, कवासी लखमा ने पायलट से साफ-साफ कहा कि मेरा शराब घोटाले से कोई लेना देना नहीं हैं, फिर भी मैं जेल में प्रताड़ना जेल रहा हूं। जेल में बंद पूर्व मंत्री कवासी लखमा से प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने मुलाकात कर हौसला बढ़ाया और कहा कि आपके साथ अन्याय नहीं होगा। कवासी लखमा ने पायलट से कहा कि मैं तो इस बारे में कुछ जानता ही नहीं कि शराब कहा बन रही है और कौन सप्लाई दे रहा है और कौन बाटलिंग का काम देख रहा है। विभागीय मंत्री होने के बाद भी मुझे शराब की बिक्री और क्वालिटी को लेकर कोई चर्चा तक करना मुनासिब नहीं समझता था। अधिकारी आते थे, आर्डर पढ़कर सुनाते थे कि साहब का आदेश है फाइल साइन कर भेजना है। मैं तो बस के सिपाही होने के नाते जैसे साहब कहते थे कर देता था, अब करे कोई और भरे कोई की सजी भुगतना पड़ रहा है। बड़े नेताओं ने पार्टी का वास्ता देकर कहा था बस साइन करते जाओ कुछ नहीं होगा । मैंने आजीवन पार्टी की इमानदारी से सेवा की जिसकी सजा जेल में भोग रहा हूं, जो गुनाहगार है वो कालर खड़े करके घूम रहे है। सचिन पायलट के सामने कवासी लखमा ने कांग्रेस के शासन काल के पांच साल तक जो सिलसिला चला उसकी मुंह जबानी जमा खर्च की जानकारी दी। इस दौरान उनके साथ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधायक देवेंद्र यादव समेत कई अन्य कांग्रेस नेता भी मौजूद रहे। लेकिन कवासी लखमा और प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट की गुफ्तगू के समय कौन-कौन था इसकी जानकारी मीडिया में नहीं आई । जेल में कवासी लखमा से मुलाकात के बाद सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि जो लोग भाजपा की विचारधारा का विरोध करते हैं, सरकार उनके साथ ऐसा ही व्यवहार करती है. हम न्यायालय में लड़ाई लड़ते रहेंगे। लोगों का चरित्र हनन करने की कोशिश की जाती है। सरकार द्वारा सरकारी एजेंसी के माध्यम से मनोबल तोड़ने की कोशिश की जाती है. हमें पूरा विश्वास है कि हमें न्यायालय के माध्यम से विजय मिलेगी। हमारा पोलिटिकल संघर्ष जारी रहेगा। सरकारी एजेंसी का धड़ल्ले से दुरुपयोग हो रहा है. ये व्यक्ति विशेष की लड़ाई नहीं, हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे।

शिकायत पर निगम जोन 2 जल विभाग की टीम ने जाकर जानकारी ली

मौदहापारा में नलों से गन्दा पानी आने की जनशिकायत पर स्वच्छ पेयजल आपूर्ति होना पाया गया, कुछ स्थानों में कम मात्रा में पानी आने की शिकायत मिली, जिसका शीघ्र निदान करने कार्यवाही की जा रही है।

रायपुर - आज रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 के तहत हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्रमांक 36 के तहत मौदहापारा क्षेत्र में नलों से गन्दा पानी आने की प्राप्त जनशिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के. डोंगरे के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 2 जल विभाग की टीम तत्काल सम्बंधित क्षेत्र मौदहापारा पहुँची और जनशिकायत की जानकारी ली. इस दौरान घरों में नलों से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होना सम्बंधित स्थल पर पाया गया। कुछ स्थानों पर कम पानी आपूर्ति होने की शिकायत निगम जोन 2 जल विभाग के अभियंता को प्राप्त हुई है, जिसका शीघ्र निदान करने आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। सम्बंधित क्षेत्र में कहीं भी स्थल पर गन्दा पानी निगम के नलों से आने की जनशिकायत नहीं मिली है और नलों से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

निगम जोन 9 जोन कमिश्नर ने वार्ड 7 के प्रभारी सुपरवाइजर को बिना सूचना लगातार 3 दिन अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस दिया,

रायपुर - नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 9 जोन कमिश्नर श्री संतोष पाण्डेय ने जोन के तहत कुशाभाउ ठाकरे वार्ड नम्बर 7 के प्रभारी सफाई सुपर वाइजर नरेश कुमार को दिनांक 17 से 19 मार्च 2025 तक लगातार तीन दिन बिना सूचना के ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने और इससे वार्ड में सफाई कार्य प्रभावित होने, स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारी हेतु उच्चाधिकारियों के वार्ड की सफाई व्यवस्था देखने लगातार आगमन को देखते हुए वार्ड क्षेत्र की ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने के कारण नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी कर अगले 3 दिन में अनुपस्थिति पर लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए है। नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर ने जोन 9 के सफाई गैंग के ठेकेदार कमलेश राजपूत पर नगर निगम आयुक्त और अपर आयुक्त के निरीक्षण के दौरान निर्धारित संख्या से कम संख्या में ठेका सफाई कामगार की उपस्थितिपाए जाने और जोन में इससे सफाई व्यवस्था प्रभावित होने पर नोटिस देकर 10 हजार रूपये का जुर्माना लगाया है और 3 दिन में जोन गैंग के निर्धारित 15 सफाई ठेका कामगारों की ड्यूटी पर उपस्थिति सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में ठेका निरस्त कर सफाई ठेकेदार का नाम काली सूची में डालने की कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी है।

खास खबर

खड़ी ट्रक से लोहे का प्लेट पार

रायपुर, धनेली नाला मोड़ के पास खड़ी ट्रक से अज्ञात चोर ने हजारों रुपए का लोहे का प्लेट पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमरेन्द्र कुमार 25 वर्ष शारदा चौक मंदिरहसौद का रहने वाला है। प्रार्थी ने अपनी ट्रक में 29 टन 860 किलो लोहे का प्लेट लोड कर धनेली नाला मोड़ के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने ट्रक में से 3 नग लोहे का प्लेट पार कर दिया। चोरी गए सामान की कीमत करीब 76634 रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

आईपीएस अधिकारी सिंह को मिला प्रमोशन

रायपुर,20 मार्च (आरएनएस)। राज्य सरकार ने 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी रजनेश सिंह को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के पद पर प्रमोशन दिया है। उनकी पदोन्नति 01 जनवरी 2025 से प्रभावी मानी जाएगी। गृह विभाग ने इस संबंध में संशोधित आदेश जारी किया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल

0 मांगें पूरी न होने तक पोषण ट्रेकर एप नहीं खोलने का ऐलान

रायपुर, 20 मार्च (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र तो खुले हुए हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं ने पोषण ट्रेकर एप पर किसी भी तरह का काम करने से इनकार कर दिया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का साफकहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे पोषण ट्रेकर एप को ओपन नहीं करेंगी। इस हड़ताल से पोषण संबंधी डेटा अपडेशन का कार्य प्रभावित हो सकता है, जिसका असर बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली सुविधाओं पर पड़ सकता है। कार्यकर्ताओं की मांगों पर सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं आया है।

(रायपुर) 6 जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर, 20 मार्च (आरएनएस)। खमतराई पुलिस ने भनपुरी स्थित विमल इंक्लेव के पास दबिश देकर जुआ खेलते 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 3750 रुपए जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भनपुरी स्थित विमल इंक्लेव के पास दबिश देकर जुआ खेलते आरोपी मोहम्मद कासीम 30 वर्ष, मोहम्मद अरमान 28 वर्ष सहित अन्य 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 3750 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

स्लग भगवान महावीर जनकल्याणक महोत्सव का आयोजन राजधानी रायपुर में जहां 22 से 10 अप्रैल तक होंगे विभिन्न आयोजन

रायपुर, । एंकर राजधानी रायपुर में सकल जैन श्री संघ द्वारा 2624 व भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव आदि से वीर तक 22 मार्च से 10 अप्रैल 2025 तक धूमधाम से मनाया जाएगा जिसकी जानकारी समिति के अध्यक्ष महावीर कोचर ने दी। वीओ भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में 15 दिवस प्रभात फेरी होगी जो 26 मार्च से 9 अप्रैल तक चलेगी प्रभात फेरी प्रतिदिन सुबह 6:30 से होगी इसके बाद 10 अप्रैल को तिथि क्षेत्र तेरस मे भगवान महावीर जन्म कल्याण दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा जहां सामाजिक जनों द्वारा विभिन्न आकर्षक आयोजन किया जाना है।

मैहर में कई गाड़ियों का होगा अस्थायी ठहराव

रायपुर, प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्य प्रदेश के मैहर में चैत्र नवरात्रि मेला का आयोजन दिनांक 03 मार्च से 12 अप्रैल, 2025 तक आयोजित किया जाएगा । इस मेले में जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा गाड़ियों का अस्थायी ठहराव की सुविधा प्रदान की जा रही है । गाड़ी संख्या 18201 दुर्ग - नौतनवा एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव 2 से 11 अप्रैल तक मैहर स्टेशन में दिया गया है । गाड़ी संख्या 18202 नौतनवा -दुर्ग एक्सप्रेस का ठहराव 30 मार्च से 11 अप्रैल तक मैहर स्टेशन में दिया गया है।

रायपुर छत्तीसगढ़ में 4 स्टार श्रेणी प्राप्त करने वाला पहला शहर

भारत सरकार का जल ही जीवन कार्यक्रम एसटीपी हेतु प्रोत्साहन राशि रूपये 6.13 करोड़ की प्रथम किश्त 20 मार्च को जारी की गयी 0

संवाददाता।

रायपुर - भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जल ही अमृत 2.0 योजना के तहत् राज्यों द्वारा जल के कुशल पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जल ही जीवन कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम के तहत् भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित 11 एस.टी.पी. हेतु प्रोत्साहन राशि की प्रथम किश्त कुल राशि रू. 11.38 करोड़ दिनांक 20.03.2025 को जारी की गई। नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निर्मित 04 एस.टी.पी. हेतु कुल राशि रू. 8.75 करोड़ प्रोत्साहन राशि के रूप में प्राप्त होनी है, जिसमें से प्रथम किश्त की राशि रू. 6.13 करोड़ दिनांक 20.03.2025 को भारत सरकार द्वारा जारी की गई। इस उपलब्धि से राजधानी रायपुर, छत्तीसगढ़ राज्य में 04 स्टार श्रेणी का दर्जा प्राप्त करने वाला पहला शहर है। नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा पर्यावरण विभाग द्वारा राजधानी परियोजना अंतर्गत ग्राम भाठागांव में राशि रू. 5.83 करोड़ की लागत से 06 एम.एल.डी. क्षमता तथा अमृत मिशन योजनांतगत ग्राम-निमोरा में 90 एम.एल.डी. क्षमता, ग्राम-कारा में 35 एम.एल.डी. क्षमता एवं ग्राम-चंदनीडीह में 75 एम.एल.डी. क्षमता के तीन एस.टी.पी. राशि रू. 235.00 करोड़ की लागत से निर्मित किये गए हैं। उपरोक्त सभी एस.टी.पी. का निरंतर संचालन किया जा रहा है, जिसकी जांच भारत सरकार द्वारा थर्ड पार्टी के माध्यम से करायी गई। जांच के आधार पर ग्राम-भाठागांव में संचालित एस.टी.पी. को 03 स्टार तथा ग्राम-निमोरा, ग्राम-कारा एवं ग्राम-चंदनीडीह में संचालित तीनों एस.टी.पी. को 04 स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। नगर पालिक निगम, रायपुर को एस.टी.पी. के कुशल प्रबंधन तथा उनके संचालन से पुनर्चक्रण योग्य उपचारित जल के उत्पादन हेतु भारत सरकार से प्राप्त होने वाली प्रोत्साहन राशि से सभी एस.टी.पी. को उर्जा दक्ष बनाने एवं समय-समय पर हो रहे तकनीकी उन्नती के अनुरूप तैयार करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

खाता धारकों का लाखों रूपया गबन करने वाला ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर बैंक के 6 खाताधारकों के खातों से लाखों रूपयों का गबन करने वाले एचडीएफसी बैंक के ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर को पुलिस ने जगदलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार एचडीएफसी बैंक शाखा देवेन्द्र नगर में ब्रांच मैनेजर के पद पर पदस्थ रविश शाह ने थाना देवेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि बैंक के तत्कालीन कार्यरत ब्रांच ऑपरेशन मैनेजर नितिन देवांगन पिता जीवन दास देवांगन द्वारा अपने कार्यकाल वर्ष 2020 से 2023 तक कुल 06 खाता धारको से बिना सहमति के कुटरचना कर चेक बुक प्राप्त कर अपने द्वारा खुलवाये फर्जी खाते में रकम बिना ग्राहक की जानकारी के कुल 82,83,000 रूपये पृथक-पृथक से आहरण कर व्यक्तिगत उपयोग किया गया। जिसके संबंध में बैंक सत्र पर आडिट होने व दोषी पाये जाने पर निलंबित कर, लिये गये रकम वापस प्राप्त करने हेतु समय दिये जाने पर मात्र 78,85,000 रूपये वापस कर शेष 3,98,000 रूपये वर्तमान समय तक न देकर धोखाधडी किया। जिसपर प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी नितिन देवांगन के विरूद्ध थाना देवेन्द्र नगर में धारा 316(5), 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

(रायपुर) देर शाम बदल सकता है मौसम का मिजाज

रायपुर, छत्तीसगढ़ में बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवा आ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक आसमान में थोड़े बादल छाने लगेंगे और हल्की बारिश भी होने की संभावना है। इस बदलाव के कारण राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान कम हो सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों ने आगामी दिनों में बारिश और मौसम के परिवर्तन की संभावना को लेकर चेतावनी भी जारी की है। स्काईमेट के अनुसार, पश्चिमी और पूर्वी राज्यों में मौसम का मिजाज बदल सकता है। जिससे मार्च से ही प्री मानसून गतिविधि शुरू हो सकती है। 20 मार्च के बाद उत्तर भारत में दिन बेहद गर्म होंगे। हालांकि, सुबह के वक्त मौसम थोड़ा नर्म रहेगा। दिन में तेज लू चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना होगा। हालांकि, यूपी में 21 और 22 मार्च को एक बार फिर तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी की संभावना बन सकती है। 19 मार्च से पूर्वी भागों में प्री मॉनसून के संकेत मिल रहे हैं।

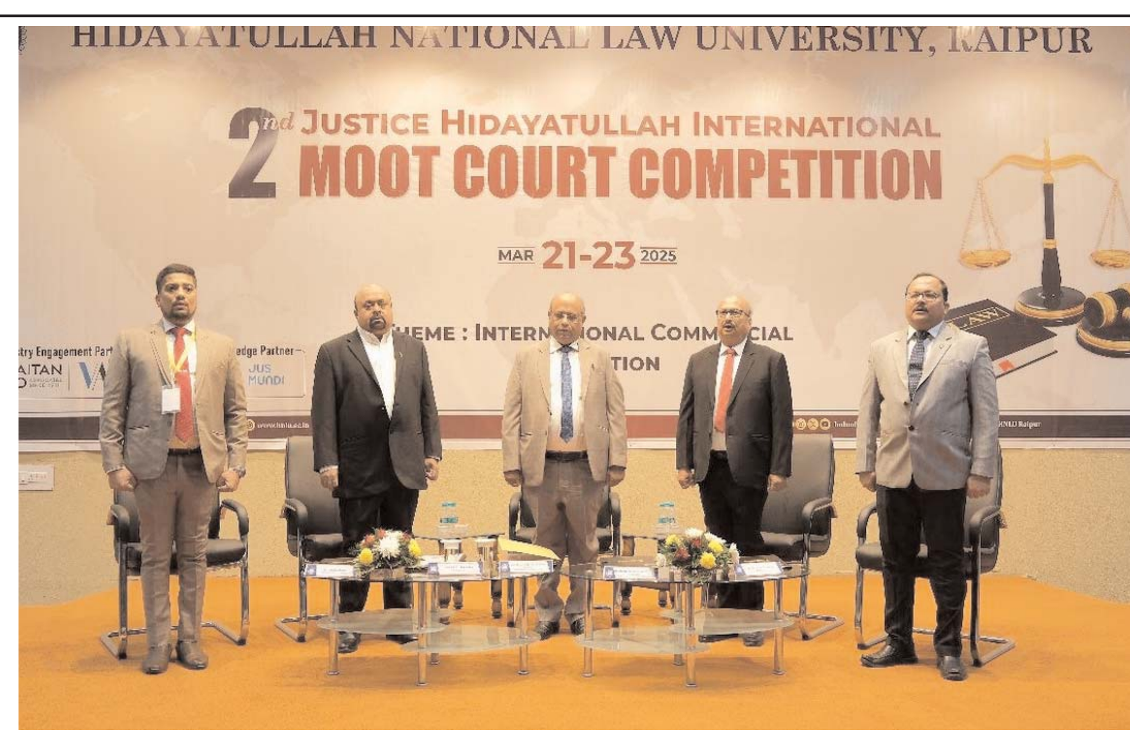

हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (HNLU), रायपुर ने 21 मार्च 2025 को द्वितीय जस्टिस हिदायतुल्लाह इंटरनेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता (।ढ्ढस्ष्ट) 2025 के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। 21 मार्च से 23 मार्च तक निर्धारित इस प्रतियोगिता में भारत के प्रमुख विधि संस्थानों की टीमें भाग ले रही हैं, जिसका उद्देश्य अधिवक्ता कौशल को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय विधिक विमर्श को सशक्त बनाना है। नगर निगम का पुरा प्रयास है कि पुराने रैकिंग में सुधार लाते हुए अच्छा कार्य किया जाये। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिको से अपील की है कि अपने क्षेत्र की स्वच्छता गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अपना भरपूर सहयोग करें। आज इंदौर शहर स्वच्छता में नम्बर 1 पर है, क्योकिं वहा का प्रत्येक नागरिक सफाई में अपना योगदान देते है। कचरा इधर-उधर नहीं फेकते है, गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग कर देते है। इसी प्रकार हम सब भी भिलाई शहर को नम्बर 1 बनाने के लिए अपना योगदान दें। जिससे शहर को स्वच्छ एवं साथ-सुथरा बना सकें। अपना शहर भी अन्य शहरो की तरह साफसुन्दर एवं स्वच्छता में अग्रणी रहे।

महिला के खाते से 2 लाख से अधिक रकम पार

रायपुर, महिला के खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 5 बार में 2 लाख से अधिक रकम आहरण कर लिया। प्रार्थिया की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया अंजली निशिकांत शिरपुरकर 62 वर्ष उदिया सोसायटी टाटीबंध का रहने वाली थी। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि वह एटीएम से पैसा निकालने गई थी। जहां पैसा नहीं निकला और अकाउंट से पैसा कट गया। जिससे प्रार्थिया ने गुगल में कस्टमर केयर का नंबर सर्च कर अज्ञात व्यक्ति से बात किया। जिससे आरोपी ने वाटसअप में लिंक भेजकर ओपन करने को कहा और फिर प्रार्थिया के बैंक अकाउंट से 5 बार में 2 लाख 49 हजार 975 रुपए आहरण कर लिया।

महिला से 3 किलो 600 ग्राम गांजा जब्त

रायपुर, राजधानी की तेलीबांधा थाना पुलिस ने एक महिला आरोपी को अवैध रूप से गांजा विक्रय करने के आरोप में गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 42 हजार रूपये कीमत को 3 किलो 600 ग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में महिला के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। बता दें कि पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के दिशा निर्देश पर रायपुर पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट को नशे का काला कारोबार करने वाले कारोबारियों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट की टीम।

निगम एमआईसी सदस्य श्री मनोज वर्मा ने श्रीगणेश पूजन कर पदभार सम्हाला,

रायपुर - आज नगर पालिक निगम रायपुर के नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष श्री मनोज वर्मा ने नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के भूतल में प्रथम पूज्य देव श्रीगणेश की पूजा अर्चना और मुख्यालय के प्रथम तल पर कक्ष में श्रीगणेश पूजन -अर्चन करने के तत्काल पश्चात आचार्य द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चार और शंख ध्वनि के मध्य अपना पदभार सम्हाल लिया।

संपादकीय

शांति समझौता का भरोसा रूस को दिलाएं ट्रंप

रूस के नजरिए में सिर्फ युद्धविराम से यूक्रेन को हथियार जुटाने और अगली लड़ाई के लिए पुनर्संगठित होने का मौका मिलेगा, जिसे वह नहीं देना चाहता। ऐसी सूरत में लड़ाई रुकने की संभावना तभी बनेगी, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से 30 दिन के युद्धविराम के अंदर संपूर्ण शांति समझौता का भरोसा रूस को दिलाएं। उनके प्रशासन ने हथियारों की सप्लाई दोबारा शुरू कर यह काम ज्यादा कठिन बना दिया है। अमेरिका-यूक्रेन की वार्ता के बाद रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रस्तावित संघर्ष-विराम उन्हें मंजूर है या नहीं, इस पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें इस बारे में अमेरिका से जानकारी मिलना जरूरी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच फोन कॉल की संभावना पर उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इसकी बहुत जल्द व्यवस्था की जा सकती है। यानी रूस को अपेक्षा है कि वार्ता के परिणामों की जानकारी खुद ट्रंप पुतिन को देंगे। इस बीच रूस ने क्रुस्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों पर बड़ी सफलता पाई है।

कविता शक्तिशाली भावनाओं का स्वत :स्फूर्त प्रवाह है।

कविता को प्रोत्साहित करने या कविता लिखने का बहुत सरल और सुगम उपाय यह हो सकता है कि आप कविता लिखने की खुद से शुरुआत करें । अगर आपको यह समझ में ना आए की कहां से शुरुआत करनीं है तो नदियों पर लिखिये, झरनों पर लिखिए, पहाड़ पर लिखिए ,पत्तियों पर लिखिए, लताओं पर लिखिए और खिल खिलाते हुए मासूम बच्चों पर लिखिए पर लिखिए जरूर कविताएं आपके मर्म का हृदय के स्पंदन की अभिव्यक्ति होती है यह आवश्यक नहीं की कविताएं को अलंकारों से सजाया जाए कविता भोली,सरल, सादी और बेपरवाह या फिर संयमित भी हो सकती है। जैसा की सुप्रसिद्ध कवि विलियम वर्ड्सवर्थ ने कहा है

÷कविता शक्तिशाली भावनाओं का स्वतःस्फूर्त प्रवाह है।÷ दूसरी तरफ खलील जिब्रान कहते हैं ÷कविता आनंद आश्चर्य का मिश्रण है जिसमें शब्दकोश का भी थोड़ा अंश है।÷ 21 मार्च को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय कविता दिवस मनाया जाता है मूलत यह कविताओं को प्रोत्साहित करने के लिए नन्हे बच्चों से लेकर युवा वर्ग तक को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। यह तिथि स्वयं को कविता में भिगोने और डुबोने के लिए एक अनुकूल तथा आदर्श स्थिति पैदा करती है।

ऐसा माना जाता है कि सबसे पहली कविता 2000 ईसा पूर्व के दौरान ÷गिलगमेश के महाकाव्य÷ के साथ सामने आई थी, लेकिन यह संभावना है कि साक्षरता के प्रसार से पहले भी कविता मौजूद थी। विभिन्न युगों के दौरान विभिन्न प्रकार की कविताएँ प्रचलित हुई हैं, और उनमें परिवर्तन हुए हैं। सॉनेट से लेकर रैप लिरिक्स तक, कविता का मुख्य उद्देश्य एक ही है - मानवीय स्थिति का पता लगाना और शब्दों के माध्यम से भावनाओं को जगाना। कविता मानव जाति की अस्तित्वगत दुविधाओं के साथ प्रतिध्वनित होती है, और गहरे भीतर से विचारों को बाहर निकालती है। यूनेस्को ने वर्ष 1999 में पेरिस में आयोजित अपने 30वें आम सम्मेलन के अवसर पर इस दिन को प्रस्तावित किया और अपनाया, जिसका उद्देश्य ÷राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कविता आंदोलनों को नई पहचान और प्रोत्साहन देना÷ था। संगठन ने इस दिन के माध्यम से दुनिया भर में कविता के उत्सव को प्रेरित करने, लुप्तप्राय भाषाओं को संरक्षित करने और काव्यात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने की उम्मीद की थी। अतीत और वर्तमान दोनों के कवियों को सम्मानित किया जाता है और कविता सुनाने की मौखिक परंपराओं को पुनर्जीवित किया जाता है। कविता पढ़ने, लिखने और पढ़ाने को प्रोत्साहित किया जाता है और संगीत, नृत्य, पेंटिंग और अन्य अभिव्यक्ति के माध्यमों के साथ जोड़ा गया है। मानव जीवन में कविता का विशेष महत्व रहा है। आधुनिक हिंदी कविता का प्रारंभ सन 1900 से माना जाता है। इस काल में सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं सामाजिक आंदोलनों के फलस्वरूप हिंदी काव्य में नई चेतना तथा विचारों ने जन्म लिया और साहित्य बहुआयामी क्षेत्रों को स्पर्श करने का माध्यम बन गया है। भारतीय हिंदी साहित्य के इतिहास को देखें तो यह पाया गया कि भारतेंदु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक माना जाता है. वे हिन्दी में आधुनिकता के पहले रचनाकार थे. उनका जन्म 9 सितंबर, 1850 को हुआ था और उनका निधन 6 जनवरी, 1885 को हुआ था. उनका मूल नाम 'हरिश्चंद्र' था और 'भारतेन्दु' उनकी उपाधि थी. आधुनिक काल के अन्य कवियों में जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, हरिवंश राय बच्चन, मैथिली शरण गुप्त आदि रहे हैं। हिंदी कविता और उनके रचयिताओं का भारत में समृद्ध इतिहास रहा है।

हरिवंश राय बच्चन जी लिखते हैं

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ÷ग्लेशियर संरक्षण÷, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो 'अब भी खरे है तालाब' कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से अनुकरणीय हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है। जल की कमी दुनिया के लिए एक उभरती हुई वास्तविकता एवं ज्वलंत समस्या है। चूंकि जलवायु परिवर्तन और जल की कमी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, इसलिए इनमें से किसी एक मुद्दे का मुकाबला करने के तरीके खोजने से दूसरे की बेहतरी में मदद मिलेगी, इसमें ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान हो सकता है। **यह निजी विचार है।**

चुनाव से पहले एजेंडे की तलाश में पार्टियां

अजीत द्विवेदी

इस साल के अंत में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है और अगले साल मई में पांच राज्यों, पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में चुनाव होगा।

इन छह राज्यों के चुनावों की तैयारियां अभी से हो रही हैं। सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और अभी से एजेंडा तय हो रहा है। बिहार चुनाव सात महीने बाद हैं लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में डेरा डालने की बात कह कर चुनाव की तैयारियों का आभास करा दिया है।

इन छह राज्यों के चुनाव से पहले एक बड़ा सवाल यह है कि क्या कहीं भी राज्य सरकारों के कामकाज के आधार पर चुनाव होगा या विपक्षी पार्टियां विकास का मुद्दा उठा कर, राज्य सरकार की विफलता गिना कर, उसे कठघरे में खड़ा करके चुनाव लड़ेंगी?

ये सवाल इसलिए है क्योंकि सभी छह राज्यों में चुनाव की जो तैयारी चल रही है या जो एजेंडे तय किए जा रहे हैं वे सामान्य राजनीतिक मुद्दे नहीं हैं। उसमें विकास का मुद्दा नदारद है, सरकारों के कामकाज या उसकी सफलता-विफलता का मुद्दा गायब है और भावनात्मक मुद्दे हावी हैं।

सबसे पहले बिहार की बात करें तोज

सबसे पहले बिहार की बात करें तो वहां पिछले 20 साल से जनता दल यू के नेतृत्व वाली सरकार है। नीतीश कुमार ने खुद करीब 19 साल तक सरकार का नेतृत्व किया है और नौ महीने के लिए उनके प्रॉक्सी के तौर पर उनकी पार्टी के जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री रहे थे।

इन 20 वर्षों में करीब साढ़े तीन साल राष्ट्रीय जनता दल के साथ उन्होंने सरकार चलाई और करीब दो साल अकेले चलाई। बाकी साढ़े 14 साल भाजपा के साथ उनकी सरकार चली है। लेकिन चुनाव में उनकी 20 साल की उपलब्धियों का कहीं जिक्र नहीं है।

एनडीए में शामिल सभी घटक दल चाहे वह जनता दल यू हो या भाजपा या बाकी छोटी पार्टियां हों सब इस आधार पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं कि बिहार के लोगों को लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के कथित जंगल राज की याद दिलानी है,

लोगों को जंगल राज का भय दिखाना है, उनको डराना है और लालू प्रसाद के परिवार को सत्ता में आने से रोकने के नाम पर वोट का ध्रुवीकरण कराना है।

अगर कोई कसर रहती है तो भाजपा के नेता सांप्रदायिक भाषणों से उसे पूरा करेंगे। भाजपा के एक विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने इस बार होली के दिन मुसलमानों को घर में ही बंद रहने की सलाह देकर संकेत दे दिया है कि आगे किस तरह की राजनीति होने वाली है।

नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल

दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जरूर नीतीश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन वह औपचारिकता भर है। उनका भी फोकस जाति का ध्रुवीकरण कराने पर है।

वे मुस्लिम, यादव के अपने पिता के बनाए माई समीकरण में मुकेश सहनी के सहारे मल्लाह और कांग्रेस के सहारे कुछ दलित व सवर्ण वोट जोड़ने की कोशिश में हैं।

उनका मुख्य चुनावी एजेंडा नीतीश कुमार की मानसिक सेहत और आरक्षण की सीमा बढ़ाने पर लगाई गई अदालती रोक है। वे एनडीए को आरक्षण चोर बता कर चुनावी लड़ाई की तैयारी में हैं।

अगले साल जिन राज्यों में विधानसभा चुनावों हैं उनमें तमिलनाडु ने चुनाव तैयारियों और एजेंडा तय करने की सबसे पहले शुरुआत की है। एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके लग नहीं रहा है कि सरकार के पांच साल के कामकाज पर चुनाव लड़ेगी।

स्टालिन ने परिसीमन का हौव्वा खड़ा किया है, जबकि अभी यह तय नहीं है कि कब परिसीमन होगा क्योंकि उससे पहले जनगणना होनी है और हो सकता है कि परिसीमन से पहले ही राज्य में विधानसभा चुनाव हो जाए।

लेकिन वे अभी से राज्य के लोगों को डरा रहे हैं कि परिसीमन से लोकसभा की आठ सीटें कम हो जाएंगी और दिल्ली में तमिलनाडु के साथ साथ सभी दक्षिणी राज्यों की आवाज दबा दी जाएगी।

इस पर वे खूब राजनीति कर रहे हैं। इसी तरह नई शिक्षा नीति और त्रिभाषा फॉर्मूले के आधार पर हिंदी थोपने का भी मुद्दा उन्होंने चर्चा में ला दिया है। ये सभी भावनात्मक मुद्दे हैं।

इनका बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने के लिए स्टालिन ने 22 मार्च को सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और पूर्व मुख्यमंत्रियों की एक बैठक चेन्नई में बुलाई है।

मजबूरी में मुख्य विपक्षी अन्ना डीएमके भी इन मुद्दों पर सरकार का साथ दे रही है। दूसरी ओर भाजपा सनातन धर्म पर दिए उदयनिधि स्टालिन के बयान को चुनावी मुद्दा बना रही है।

राजनीति का अभी तक का सबसे निचला स्तर

पश्चिम बंगाल में पिछले 14 साल से सरकार चला रही ममता बनर्जी मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। उनके पास एक बना बनाया स्थायी मुद्दा बांग्ला अस्मिता का है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बरक्स अपना चेहरा दिखा कर वे अस्मिता की राजनीति कर ले जाती हैं। संयोग भी ऐसा है कि भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद राज्य में अपना कोई नेता नहीं खड़ा कर पाई है।

उसके पास ले देकर ममता की पार्टी से आए सुवेंदु अधिकारी हैं, जिनके लिए इस बार के चुनाव का मुख्य मुद्दा यह है कि अगर भाजपा चुनाव जीती तो सभी मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से निकाल कर बाहर फेंक देंगे।

यह हिंदू मुस्लिम राजनीति का अभी तक का सबसे निचला स्तर माना जा सकता है। हालांकि ऐसे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मुद्दा कितना काम आएगा यह नहीं कहा जा सकता है। आखिर पिछले तीन चुनावों से भाजपा ऐसे ही मुद्दों पर लड़ रही है। लेकिन कामयाबी नहीं मिली है।

असम में नौ साल से भाजपा का राज है और अगले साल चुनाव में उसे अपने दो कार्यकाल के कामकाज का हिसाब देना है। साथ ही केंद्र की सरकार के 12 साल का भी हिसाब देना है।

सोचें, राज्य में पिछले 10 साल से डबल इंजन की सरकार चल रही है लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा मियां मौलवी का मुद्दा उठा कर चुनाव लड़ेंगे।

वे मदरसे बंद कराने या मुस्लिमों में प्रचलित बहुविवाह रोकने, समान नागरिक कानून बनाने, नागरिक रजिस्टर जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे।

अपनी सरकार के कामकाज का हिसाब देने की बजाय उनके लिए बड़ा मुद्दा यह है कि जोरहाट से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई की पत्नी ब्रिटिश हैं और पाकिस्तान के एक व्यक्ति के साथ काम कर चुकी हैं।

इस आधार पर वे गौरव गोगोई की पत्नी को पाकिस्तान का एजेंट बता रहे हैं। कांग्रेस के पास डबल इंजन सरकार के कामकाज का बड़ा मुद्दा है लेकिन वह भी हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार की ओर से उठाए जा रहे मुद्दों के बरक्स ऐसे ही मुद्दों की तलाश कर रही है।

यह निजी विचार है।

अध्यात्मिक ज्ञान के संग आर्थिक विकास की जुगलबंदी।

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है।यदि इसके साथ आर्थिक विकास और विज्ञान के ज्ञान की जुगलबंदी हो तो देश एक मजबूत आर्थिक सनातनी राष्ट्र बन सकता है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की ÷सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति÷ यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है।

यह निजी विचार है।

मोदी सरकार की नीति-रीति किसानों को सशक्त करने की, किसान मजबूत होगा तो देश समृद्ध होगा

पीआइबी।

2.54 लाख करोड़ रु. से ज्यादा खाद सब्सिडी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए दीः केंद्रीय कृषि मंत्री

10 हजार नए एफपीओ बनाए, किसानों के आनलाइन व्यापार के लिए ई-नाम की व्यवस्था भी की : श्री चौहान

सरकार ने पीएम-आशा योजना बनाई, इसके अंतर्गत सोयाबीन सहित अन्य उपज की रिकार्ड खरीदी की : श्री शिवराज सिंह चौहान

क्षति आंकलन के लिए सैटेलाइट आदि अत्याधुनिक प्रक्रिया अपनाई : श्री चौहान

पीआईबी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोकसभा में कृषि मंत्रालय से संबंधित अनुदान की मांगों पर चर्चा के दौरान कहा कि मैंने कृषि मंत्रालय संभालने के बाद लाल किले की प्राचीर से हुए सारे भाषण सुने हैं। उन्होंने कहा कि किसान अन्नदाता है किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा के समान है यही हमारा दृष्टिकोण है। विपक्ष की सरकार के समय कृषि के लिए बहुत कम बजट रहा है। विजनरी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चमत्कारिक काम हो रहे हैं।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूँ। खाद्यान्न एवं फल-सब्जियों के उत्पादन व उत्पादकता में लगातार वृद्धि हो रही है, इसके पीछे प्रधानमंत्री श्री मोदी की सुव्यवस्थित रणनीति, अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी सरकार की नीति-रीति किसानों को सशक्त करने की है। किसान मजबूत होगा तो देश समृद्ध होगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने खेत नहीं देखे, पगडंडियां नहीं देखी, मिट्टी नहीं जानते, वे किसान हित की बात करते हैं।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उर्वरकों के संतुलित उपयोग का काम हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में खेती में निवेश बढ़ा है व अल्पकालिक ऋण में भी काफी वृद्धि हुई है। कृषि यंत्रीकरण के काम में भी तेजी आई है जिससे किसानों के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना बनाई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से देश के करोड़ों किसान भाइयों-बहनों को सहायता मिल रही है। इस योजना ने छोटे किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने बताया कि 2.54 लाख करोड़ रु. से ज्यादा खाद सब्सिडी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए दी है। मोदी सरकार ने किसानों को राहत दी है। श्री चौहान ने कहा कि हम किसानों को किसी भी कीमत पर महंगी खाद नहीं खरीदने देंगे, यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का कमिटमेंट है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि हमने 10 हजार नए एफपीओ बनाए, किसानों के आनलाइन व्यापार के लिए ई-नाम की व्यवस्था भी की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी तय की। किसानों से एमएसपी पर खरीदी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार के समय में सर्वाधिक 22.38 लाख करोड़ रु. की हुई है। सरकार ने पीएम-आशा योजना बनाई और इसके अंतर्गत सोयाबीन सहित अन्य उपज की रिकार्ड खरीदी की। साथ ही, कर्नाटक, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी खरीद की समय-सीमा बढ़ाई, कहीं भेदभाव नहीं किया। बाजार हस्तक्षेप योजना बनाई ताकि उपज के भाव कम होने पर किसानों को नुकसान नहीं हो। टमाटर, आलू, प्याज की राज्यों के माध्यम से खरीदी करने की अनुमति केंद्र सरकार द्वारा दी जाती है। बाजार हस्तक्षेप योजना के अंतर्गत किसानों के परिवहन की लागत केंद्र द्वारा वहन करने की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सुझावों का सदैव स्वागत है, अच्छे सुझावों पर विचार करके लागू करने का काम करेंगे।

श्री चौहान ने बताया कि मसूर के दाम कम नहीं होने देने हेतु उपाय किये, अरहर, मसूर, उड़द की शत-प्रतिशत खरीदी करेंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को सरल बनाया, पहले ब्लाक इकाई थी, हमने गांव को इकाई बनाया है। स्थानीय आपदा का प्रावधान पहले नहीं था, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे जोड़ा जिससे किसानों को फायदा हुआ। पहले क्षति आंकलन परंपरागत तरीके से होता था, हमने सैटेलाइट आदि अत्याधुनिक प्रक्रिया अपनाई है। क्लेम देने में देरी पर बीमा कंपनियों द्वारा 12 प्रतिशत ब्याज देने का प्रावधान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सरकार ने किया। एक लाख करोड़ रु. के एग्रीकल्चर इंफ्रा फंड की स्कीम से 51783 करोड़ रु. की स्वीकृति दी गई है। सरकार का किसान और विज्ञान को जोड़ने पर जोर है, लैब टू लैंड के लिए श्री नरेंद्र मोदी सरकार ने पहल की है।

आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम के पहले बैच का उद्घाटन किया

पीआईबी।

सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले और छोटे उद्यमों के लिए समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए जीईएम प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाया

सरकार ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) का छोटे और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए समावेशी और सुलभ प्लेटफ़ॉर्म बना रहना सुनिश्चित करने के लिए अनेक उपाय किए हैं। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैंः

प्रत्यक्ष खरीद/एल1 खरीद मोड में महिला उद्यमियों द्वारा उत्पाद कैटलॉग को अलग करने के लिए मार्केटप्लेस फ़िल्टर और प्रोडक्ट कैटलॉग आइकन का प्रावधान।

8 ÷वोकलफॉरलोकल÷ जीईएम आउटलेट स्टोर के निर्माण के माध्यम से महिलाओं, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों और बुनकरों, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी), किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) आदि के लिए फॉरवर्ड मार्केट लिंकेज।

जीईएम प्लेटफॉर्म पर 2-चरणीय विक्रेता ऑटो-पंजीकरण के लिए उद्यम एमएसएमई डेटाबेस के साथ एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) एकीकरण।

उद्योग, सरकार और गैर-लाभकारी क्षेत्र के प्रमुख प्रतिभागियों जैसे लघु उद्योग भारती, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ), सेल्फ एम्प्लॉयड विमेंस एसोसिएशन (एसईडब्ल्यूए) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से रणनीतिक संबंध।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ)/इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएलएम) में आयोजित उद्योग प्रदर्शनियों, मेलों, रोड शो और कार्यक्रमों आदि में भागीदारी।

संभावित विक्रेताओं के बीच रुचि और सहभागिता बढ़ाने के लिए विक्रेताओं की इमर्सिव ऑनबोर्डिंग (पोर्टल पर विक्रेता के पंजीकरण से लेकर उत्पाद सूची अपलोड तक), विक्रेताओं की सफलता की कहानियों को सूचीबद्ध करना।

चालू वित्त वर्ष में लघु उद्योग भारती, अमेज़ॅन सहेली, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), फिक्की, एसोसिएशन ऑफ लेडी एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया (एएलईएपी) जैसे एमएसएमई संगठनों के साथ 35 साप्ताहिक विक्रेता ऑनबोर्डिंग कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

एक संपूर्ण ऑनलाइन मार्केटप्लेस के रूप में, जीईएम सार्वजनिक खरीद को नियंत्रित करने वाले मौजूदा सरकारी नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के उपयुक्त प्रावधानों का अनुपालन करता है। उपर्युक्त के अनुरूप, जीईएम द्वारा (क) महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों, और (ख) स्टार्टअप्स के संबंध में निम्नलिखित उल्लिखित कुछ सकारात्मक कार्रवाइयां की गई हैं

जीईएम दृश्यता और पहुंच प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष खरीद/एल1 खरीद मोड में महिला उद्यमियों द्वारा उत्पाद कैटलॉग को अलग करने के लिए बाज़ार फ़िल्टर और उत्पाद कैटलॉग आइकन का प्रावधान करता है, जिससे सरकारी खरीददारों द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सरकारी खरीद नीति आदेश, 2012 (समय-समय पर संशोधित) का अनुपालन सुगम हो जाता है।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स बयाना राशि (ईएमडी) जमा कराने से छूट, पूर्व टर्नओवर और जीईएम पोर्टल पर पूर्व अनुभव से छूट जैसे लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जीईएम ने जीईएम पोर्टल पर आवश्यक कार्यक्षमता बनाई है, जिससे खरीदार पोर्टल पर निविदा करते समय ऐसी छूट प्रदान कर सकते हैं।

यह जानकारी वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने आज राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

मिट्टी में जैविक कार्बन की कमी को दूर करने के उपाय

संवाददता।

अब तक कुल 24.84 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) बनाए जा चुके हैं। किसानों को मिट्टी में पीएच, विद्युत चालकता, उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर, सूक्ष्म पोषक तत्वों (जस्ता, तांबा, लोहा, मैंगनीज और बोरान) सहित कार्बनिक कार्बन की स्थिति बताने के लिए एसएचसी जारी किए जाते हैं। इसके माध्यम से किसानों को एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) पर सलाह दी जाती है। आईएनएम किसानों को मिट्टी के कार्बनिक कार्बन और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए जैविक खाद और जैव-उर्वरकों के साथ-साथ द्वितीयक और सूक्ष्म पोषक तत्वों सहित रासायनिक उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए मार्गदर्शन करता है। किसानों को प्रदर्शन, प्रशिक्षण और मेलों के माध्यम से एसएचसी की सिफारिशों के बारे में भी जागरूक किया जाता है। मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिए उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर लगभग 7 लाख प्रदर्शन, 93,781 किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम और 7,425 किसान मेले आयोजित किए गए हैं। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के माध्यम से किसानों को सलाह जारी की जाती है।

सी-डॉट ने महत्वपूर्ण आपदा चेतावनी और आपातकालीन अनुप्रयोगों के लिए ए आई-संचालित चैटबॉट विकसित करने के लिए आईआईटी दिल्ली के साथ साझेदारी की है

पीआईबी। आपदा से निपटने की क्षमता और आपातकालीन संचार को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) के साथ ÷आपदा पूर्व चेतावनी और आपातकालीन संचार में ग्राहक सहायता के लिए जनरेटिव ए आई-संचालित चैटबॉट÷ के विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह पहल स्वचालित और विश्वसनीय संचार सेवाओं को सक्षम करने और भारत की आपदा तैयारी अवसंरचना को मजबूत करने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

ए आई-संचालित चैटबॉट उन्नत प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और इमेज प्रोसेसिंग तकनीकों का लाभ उठाकर आपदा प्रबंधकों, प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं और प्रभावित समुदायों को वास्तविक समय में बहुभाषी सहायता प्रदान करेगा। यह संकट के दौरान निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के लिए 3जीपीपी-अनुरूप आपातकालीन संचार प्रोटोकॉल के साथ एकीकृत होगा। इसके अतिरिक्त, समाधान पूरी तरह से ऑन-प्रिमाइसेस होगा, जो साइबर सुरक्षा अनुपालन, डेटा गोपनीयता और मिशन-महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए उच्च उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। समाधान को प्लेटफ़ॉर्म की क्षमता बढ़ाने के लिए सी-डॉट द्वारा विकसित एनडीएमए की वर्तमान आपदा प्रबंधन प्रणाली के साथ एकीकृत किया जाएगा।

सी-डॉट सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम (सीसीआरपी) के अंतर्गत एक समारोह के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय, सी-डॉट की कार्यकारी उपाध्यक्ष-द्धद्ध सुश्री शिखा श्रीवास्तव, आईआईटी दिल्ली के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर ब्रजेश लाल और आईआईटी दिल्ली के कार्यान्वयन भागीदार कार्नोट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड के कर्नल (डॉ.) अमित ओबेरॉय शामिल हुए। सी-डॉट के सीईओ डॉ. राजकुमार उपाध्याय ने आपदा संचार प्रौद्योगिकियों में स्वदेशी नवाचार के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बतया कि कैसे एआई-संचालित समाधान भारत की विविध और जटिल आपातकालीन प्रतिक्रिया आवश्यकताओं का समाधान कर सकते हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण संचार बुनियादी ढांचे में 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए सुरक्षित, स्केलेबल और भारत-विशिष्ट दूरसंचार समाधान विकसित करने के लिए सी-डॉट की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस अवसर पर प्रो. लाल ने एआई-संचालित आपदा संचार की परिवर्तनकारी क्षमता के बारे में बताया और संकट की स्थितियों में वास्तविक समय में, सुरक्षित और बहुभाषी समर्थन के महत्व पर बल दिया।

httpsÑ//static.pib.gov.in/WriteReadData/userfiles/image/image®®vETC|.jpg

सी-डॉट के प्रतिनिधियों ने इस सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। एआई-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली, आपातकालीन कॉल रूटिंग और बहुभाषी आवाज पहचान को एकीकृत करके, यह पहल भारत में आपदा प्रतिक्रिया में क्रांति लाने के लिए तैयार है। इससे आपात स्थिति के दौरान तेज़, स्मार्ट और अधिक कुशल संचार सुनिश्चित होगा।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव ने पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत सीएसएमसी की पहली बैठक की अध्यक्षता की

3.53 लाख से अधिक घरों को मंजूरी दी गई

पीआईबी। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 (पीएमएवाई-यू 2.0) के अंतर्गत 20 मार्च 2025 को केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) की बैठक में 3.53 लाख से अधिक घरों के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। पीएमएवाई-यू 2.0 के बीएलसी और साझेदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटकों के अंतर्गत 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों अर्थात् आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश में कुल 3,52,915 लाख घरों को आज मंजूरी दी गई। यह योजना महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देती है और पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत 20 मार्च 2025 को स्वीकृत घरों में से महिलाओं के लिए 2.67 लाख से अधिक घर स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें एकल महिलाएं और विधवाएं शामिल हैं, साथ ही 90 घर ट्रांसजेंडरों को आवंटित किए गए हैं। कुल स्वीकृत घरों में से, एससी लाभार्थियों के लिए 80,850 घर, एसटी के लिए 15,928 और ओबीसी श्रेणी के लिए 2,12,603 ??घर स्वीकृत किए गए हैं, जो विभिन्न वंचित समूहों के बीच समावेशिता और समानता को बढ़ावा देते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत राज्य के हिस्से के अलावा, उत्तर प्रदेश सरकार प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक लाभार्थी (जो 70 वर्ष से अधिक उम्र के हैं) को 30,000 रुपये और प्रत्येक अविवाहित महिला (40 वर्ष से अधिक उम्र), विधवा और अलग रह रही महिला लाभार्थी को 20,000 रुपये प्रदान कर रही है।पीएमएवाई-यू 2.0 वर्तमान में कार्यान्वयन चरण में है, जिसके लिए मंत्रालय और 31 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। योजना के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय और केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) के बीच भी सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा, 200 से अधिक प्राथमिक ऋण संस्थानों के साथ सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

देश में जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाओं की स्थिति

पीआईबी

महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना योजना के अंतर्गत 11 बीएसएल-3 स्तर की प्रयोगशालाओं और 154 बीएसएल-2 स्तर की प्रयोगशालाओं सहित 165 जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई

योजना के अंतर्गत वर्ष 2021 में कुल 42 वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई; इनमें से 38 प्रयोगशालाएं पहले से ही कार्यरत हैं, 4 प्रयोगशालाएं वित्त वर्ष 2024-25 में स्वीकृत की गई हैं

सरकारी निकायों और विभागों के विभिन्न संस्थानों में जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित की गईः जैव प्रौद्योगिकी विभाग-26 प्रयोगशालाएं; आईसीएमआर- 21 प्रयोगशालाएं; सीएसआईआर-11 प्रयोगशालाएं; और आईसीएआर-9 प्रयोगशालाएं

अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा 5 बीएसएल/एबीएसएल-3 प्रयोगशालाएं वित्तपोषित

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने केंद्रीय क्षेत्र की योजना ÷महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना÷ के अंतर्गत वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशाला (वीआरडीएल) का एक नेटवर्क स्थापित किया है। इस योजना के तहत, 11 बीएसएल-3 स्तर की प्रयोगशालाओं और 154 जैव सुरक्षा स्तर 2 (बीएसएल-2) प्रयोगशालाओं सहित 165 जैव सुरक्षा प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के विभिन्न संस्थानों में 21 अन्य जैव सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जो बीएसएल -4 (1), बीएसएल -3 (8) और बीएसएल -2 (12) जैसे विभिन्न स्तर की जैव सुरक्षा से सुसज्जित हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) ने उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान की गहनता (आईआरएचपीए) कार्यक्रम के अंतर्गत 5 बीएसएल/एबीएसएल-3 प्रयोगशालाओं को भी वित्त पोषित किया है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) से प्राप्त इनपुट के आधार पर, डीबीटी के विभिन्न संस्थानों में 26 जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार, आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों में 9 जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सीएसआईआर के विभिन्न संस्थानों में 11 जैव-सुरक्षा प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं। वर्ष 2021 से, ÷महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की स्थापना÷ योजना के अंतर्गत कुल 42 वायरस अनुसंधान और निदान प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 41 प्रयोगशालाएं बीएसएल-2 और 1 प्रयोगशाला बीएसएल-3 हैं। ये प्रयोगशालाएं मुख्य रूप से विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और शोध संस्थानों के माइक्रोबायोलॉजी विभागों में स्थित हैं।

प्रशासन की लापरवाही के चलते तीन सालों से भटक रहे है अन्या नवागांव के किसान

जिपं सदस्य महेंद्र यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

राजनांदगांव।

जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव के नेतृत्व में ग्राम अन्या नवागांव के ग्रामीणों ने आज कलेक्टर संजय अग्रवाल को प.ह.न. 09, की कृषिभूमि को प.ह.नं. 19, लालबहादुर नगर, से हटाकर पुनः प.ह.नं. 09 में दुरुस्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा जिस पर श्री अग्रवाल समस्या का समाधान जल्द करने का आश्वासन दिया है। जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव ने बताया कि ग्राम अन्या नवागांव प.ह.नं.9 विकासखण्ड डोंगरगढ की समस्त कृषिभूमि प.ह.नं. 19. लालबहादुर नगर,में स्थानांतरित हो जाने के कारण अन्या नवागांव के किसान तीन वर्ष से न्याय के लिए भटक रहे है किसी भी प्रकार की बीमा व अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे है किसान बीमा की राशि भी नगद व के.सी.सी. के माध्यम से बीमा कराते हैं। सहकारी सोसायटी में जाने के बाद बताते हैं कि आपके ग्राम का नाम लाल बहादुर नगर प. ह.नं. 19 में चला गया है। जानकारी हम ग्रामवासियों को होने पर उक्त ऑनलाईन त्रुटि को सुधार करवाने विगत 3 वर्षो से कलेक्टेड एवं कृषि विभाग का चक्कर लगाते लगाते थक गए हैं।पर आज पर्यंत तक कोई निराकरण नहीं हो पाया है।जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। जिसके चलते समस्त ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि यदि किसानों को जल्द ही न्याय नहीं मिली तो शासन प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन कर शासन प्रशासन के खिलाफविरोध प्रदर्शन करेंगे व चक्का जाम करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी* *शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव के साथ फागाराम वर्मा, ब्रम्हानंद वर्मा, इश्वरी प्रसाद वर्मा, नरेश वर्मा, गणेश वर्मा, कोशल वर्मा, राजकुमार वर्मा, सचिव वर्मा, रामु वर्मा, अमृत वर्मा आत्मा वर्मा, सुरेश वर्मा, श्याम वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे*।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप : शासकीय आईटीआई कोन्टा में 21 एवं शासकीय आईटीआई छिन्दगढ़ में 24 को शिविर लगेगा

0 31 मार्च 2025 तक शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सुकमा में कर सकते है पंजीयन'

सुकमा, बेरोजगार युवाओं में कौशल को बढ़ावा देने तथा रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना प्रारंभ की गई है। प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक सुकमा तथा नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अनुसार सुकमा जिले के युवाओं के लिए इस योजना के अंतर्गत पंजीयन, आवेदन के लिए शासकीय पॉलीटेक्निक सुकमा में 31 मार्च तक प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक निःशुल्क रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। अभ्यर्थी उक्त शिविर में उपस्थित होकर निशुल्क पंजीयन, आवेदन कर सकते है। योजना में 10 वीं, 12 वीं, आई टी आई, डिप्लोमा, स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी जो नियमित उच्च शिक्षा में पंजीकृत न हो, किसी नियमित जॉब, नियोजन में न हो, आवेदक के परिवार में कोई सदस्य शासकीय नौकरी में न हो, परिवार के किसी सदस्य की वार्षिक आय 8 लाख से अधिक न हो व आवेदक की उम्र 21 से 24 वर्ष तक हो वे इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप के लिए आवेदन के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ किया है, जिसका उपयोग करके फर्म भरा जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया निःशुल्क है। आवेदन फर्म भरने की अंतिम तिथि 31 मार्च है। आवेदन किसी भी लोक सेवा केन्द्र अथवा स्वयं के मोबाइल से भी किया जा सकता है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, संबंधित शैक्षणिक योग्यता जैसे 10 वीं 12वीं, आई टी आई, डिप्लोमा या स्नातक की अंकसूची, प्रमाण पत्र, आधार सीडेड बैंक खाते के पासबुक के प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति, आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अनिवार्य है। इंटर्नशिप कॉर्पोरेट मंत्रालय द्वारा चयनित कंपनियों जिसकी सूची पोर्टल में दी गई है।

हमर स्वस्थ्य लइका शिविर कुपोषण मुक्त बचपन की ओर एक सार्थक कदम

महासमुंद, । महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से 18 एवं 19 मार्च को राज्य पोषण हस्तक्षेप उत्कृष्टता केंद्र, एम्स रायपुर एवं यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से हमर स्वस्थ्य लइका तीव्र कुपोषण का सामुदायिक प्रबंधन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित बच्चों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं, दवाइयां एवं पोषण संबंधी जानकारी प्रदान करना था, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके और वे कुपोषण मुक्त स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ सकें।

शिविर के दौरान बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें उचित उपचार एवं पोषण संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस पहल को सफल बनाने में राज्य एवं जिला पोषण समन्वयकों की तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण रही। इसके प्रभावी समन्वय में सीडीपीओ, ब्लॉक पोषण समन्वयक, आरएचओ, फील्ड इन्वेस्टिगेटर, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही, बीएमओ एवं बीपीएम ने भी गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। राज्य पोषण हस्तक्षेप उत्कृष्टता केंद्र, एम्स रायपुर एवं यूनिसेफ रायपुर के सहयोग से की गई यह पहल कुपोषण उन्मूलन के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य में आउटपुट-आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क के आधार पर होगी योजनाओं की मॉनिटरिंग

डी.एम.ई.ओ., नीति आयोग, भारत सरकार एवं राज्य नीति आयोग के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला का आयोजन

रायपुर, । राज्य नीति आयोग, छत्तीसगढ़ द्वारा नीति आयोग, भारत सरकार के डेवलपमेंट मानिटरिंग एंड इवैल्यूएशन आफिस (डी.एम.ई.ओ.) के सहयोग से राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए मानिटरिंग एंड इवैल्यूएशन (एम. एण्ड ई.) पर 20 और 21 मार्च को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन की प्रभावशीलता को बढ़ाना तथा डेटा-आधारित नीति-निर्माण को सुदृढ़ करना है। कार्यशाला में भाग लेने डी.एम.ई.ओ., नीति आयोग, भारत सरकार की महानिदेशक श्रीमती निधि छिब्बर राज्य प्रवास में हैं। कार्यशाला में मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी, राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम, योजना विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, डी.एम.ई.ओ. की टीम तथा राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव डॉ. नीतू गोरडिया भी उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सरकारी योजनाओं की मानिटरिंग और मूल्यांकन की नवीनतम पद्धतियों पर प्रशिक्षण दिया गया। डी.एम.ई.ओ. की विशेषज्ञ टीम ने अधिकारियों को यह बताया कि योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन के लिए डेटा संग्रह, विश्लेषण एवं रिपोर्टिंग कैसे की जाए, ताकि नीतिगत निर्णय अधिक प्रभावशाली और परिणामोन्मुखी हों।

डी.एम.ई.ओ. के प्रशिक्षकों ने डेटा गवर्नेंस, गुणवत्ता संकेतक (क्वालिटी इंडिकेटर्स), परिणाम-आधारित मानिटरिंग (आउटपुट व आउटकम आधारित) एवं मूल्यांकन प्रणाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वैज्ञानिक रूप से योजनाओं की निगरानी कर उनके प्रभाव को मापा जाए, ताकि सरकारी नीतियां अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बन सकें।

राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम ने इस अवसर पर कहा कि, इस कार्यशाला के माध्यम से अधिकारियों को योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन की आधुनिक तकनीकों से परिचय कराया जा रहा है। जिससे वे अपने विभागीय योजनाओं में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

अपने संबोधन में श्रीमती निधि छिब्बर ने कहा कि, मानिटरिंग और इवैल्यूएशन (एम.एण्ड ई.) एक प्रभावी शासन प्रणाली की आधारशिला है। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा योजनाओं के प्रभावी मूल्यांकन और निगरानी तंत्र के लिए केंद्र में डी.एम.ई.ओ. की स्थापना की गयी है। राज्य में भी इसी तरह की संस्था बनायी जानी है। यह कार्यशाला इसका प्रारंभिक बिंदु है। राज्य में इस कार्यशाला हेतु नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन से सहायता प्रदान की जा रही है और आगे भी नीति आयोग राज्य की बेहतरी के लिए सहयोग प्रदान करते रहेगा।

डॉ. धीरेंद्र तिवारी, मुख्यमंत्री के सलाहकार ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नीति-निर्माण में डेटा-आधारित दृष्टिकोण को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यशाला से राज्य के अधिकारी योजनाओं की प्रभावशीलता को बेहतर तरीके से मापने और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

योजना विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद ने इस कार्यशाला को राज्य सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि, इस प्रशिक्षण से सरकारी योजनाओं की दक्षता और पारदर्शिता में सुधार होगा, जिससे राज्य के विकास कार्यक्रमों को नई दिशा मिलेगी।

कार्यशाला के विषय में राज्य नीति आयोग की सदस्य सचिव डॉ. नीतू गोरडिया ने बताया कि मानिटरिंग व इवैल्यूएशन निगरानी का प्रमुख आधार है।

इंस्पायर अवार्ड के लिए 4 विद्यार्थियों का हुआ चयन

सुकमा, जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पावारास, सुकमा के 04 विद्यार्थियों का चयन मानक इंस्पायर अवार्ड के लिए हुआ है। प्रिंसिपल श्रीमती टीडी दास ने बताया कि कक्षा 8वीं से तेजस राठी के द्वारा ब्लैकबोर्ड क्लीनिंग डिवाईस व कु. काव्या चौरसिया के द्वारा सेफ्टी अम्ब्रैला डिवाईस और कक्षा 10वीं से कु. निधि सिंह के द्वारा डस्ट क्लीनर विथ हिडन गैजेट व कु. नैंसी नाग के द्वारा सोलर पावर ग्लब्स आईडिया का चयन हुआ है। संस्था के मेधावी छात्रों के आईडिया को साकार होने के उपलक्ष्य में 10 हजार की प्रोत्साहन राशि भी दिया गया है। इंस्पायर अवार्ड के चयनित छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन विज्ञान शिक्षिका श्रीमती शारदा तिवारी के द्वारा किया गया था। प्राचार्य एवं समस्त स्टाफने पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी।

जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन 20 को

सुकमा, छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1933 की धारा-32 (3) सहपठित छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1995 के नियमानुसार निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों से जिला पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन कार्य संपादित किये जाने हेतु कार्यालय जिला पंचायत सुकमा 20 मार्च 2025, गुरुवार को समय प्रातः 11:00 से जिला पंचायत के सभा कक्ष (कक्ष क्रमांक-08) में जिला पंचायत सुकमा अंतर्गत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन संबंधी कार्यवाही हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री सुमित कुमार ध्रुव सहायक पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन 20 को

बाल विवाह निषेध और महिला सुरक्षा विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

सुकमा, जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में बाल विवाह के रोकथाम एवं अन्य विषयों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन 20 मार्च को प्रातः 10.30 बजे स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति केंद्र प्रशिक्षण हॉल सुकमा में किया जाएगा। प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में बाल कल्याण समिति रायपुर के पूर्व अध्यक्ष श्री सरवत नकवी उपस्थित रहेंगे। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री बिस्मिता पाटले ने प्रशिक्षण में पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आदिवासी विकास विभाग के नामांकित अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया।

विशेष न्यायालय में हुई कस्टम मिलिंग और डीएमएफफंड के मामले में सुनवाई

रायपुर,शराब घोटाले मामले में जेल में बंद कवासी लखमा से ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने पूछताछ किया। कोर्ट में आज कस्टम मिलिंग मामले में रोशन चंद्राकर की जमानत याचिका खारिज कर दी है, डीएमएफ घोटाला मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि डीएमएफकेस में पहले से ही रायपुर की जेल में बंद रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, माया वॉरियर, मनोज द्विवेदी को 2 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रखा जाएगा। जेल में आज लखमा से लगभग 5 घंटे पूछताछ की गई। कल 20 तारीख को ईओडब्ल्यू की टीम पुनः जेल लखमा से पूछताछ के लिए जा सकती है, ऐसा सूत्र बता रहे हैं।

राज्यपाल डेका ने विश्व योग प्रतियोगिता के लिए चयनित प्रतिभागियों को 50 हजार रूपए की सहायता राशि दी

रायपुर, राज्यपाल रमेन डेका ने विश्व योग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों को 50 हजार रूपए की सहायता राशि प्रदान की है। ये प्रतिभागी आगामी अप्रैल माह में मलेशिया में आयोजित होने वाली 16वीं विश्व योग प्रतियोगिता में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी खिलाड़ी सुश्री साक्षी वर्मा और श्री विभांशु बंजारे और उनके योग प्रशिक्षक श्री नमेश कुमार साहू ने आज राजभवन में राज्यपाल श्री डेका से मुलाकात की। डेका ने प्रत्येक प्रतिभागी के लिए 25-25 हजार रूपये की अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की और उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

थैलेसीमिया-सिकलसेल मरीजों को रक्तदान कर 'रक्तदान वीरा' से सम्मानित हुई महिलाएं

(सूरजपुर) कलेक्टर ने प्रतापपुर के विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा

गरियाबंद संवाददाता।

सूरजपुर, आज कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन एवं डी. एफ ओ. श्री पंकज कमल के द्वारा प्रतापपुर विकासखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया गया। अपने दौरे में कलेक्टर ने प्रतापपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान रसायन, भौतिकी और जीव विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया और प्रयोगशालाओं में सामग्री की उपलब्धता और सामग्री की आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। अपने दौरे में उन्होंने मा. शा. कन्या आश्रम शान्ति नगर और बालक आश्रम कोड़कूपारा का भी निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर आश्रम की सुविधाओं एवं समस्याओं को जाना। साथ ही उन्होंने आश्रम में सुविधाओं के उन्नयन और बच्चे के किसी भी की समस्या के निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अपने दौरे में कलेक्टर ने ग्राम रमगवा में सोलर संचालित नल जल कनेक्शन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर जल आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। इस संबंध में ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि ग्राम सभा का आयोजन कर सभी जल आपूर्ति के लिए मोटर चालू करने का समय निर्धारित करें। किसी भी प्रकार से पेयजल को व्यर्थ बहाकर नष्ट न करें। इसके अलावा उन्होंने हाथी प्रभावित ग्राम गणेशपुर का दौरा करके वहां के लोगों से उनके समस्याओं को लेकर बातचीत की। इस दौरान प्रभावित लोगों को शासकीय मुआवजे के भुगतान की जानकारी ली। साथ ही उनके समस्याओं के निराकरण को लेकर कलेक्टर एवं डीएफओ ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

महिला शक्तियों को 'रक्तदान वीरा' सम्मान से नवाजा गया

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रत्युषा फाउंडेशन द्वारा सर्व ट्रॉम हॉस्पिटल, तात्यापारा में प्रदेश की उन महिला शक्तियों को 'रक्तदान वीरा' सम्मान से नवाजा गया, जिन्होंने थैलेसीमिया और सिकलसेल से पीड़ित मरीजों के लिए रक्तदान किया। संस्था अध्यक्ष प्रीति दास मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से अलग-अलग ब्लड ग्रुप की महिलाओं ने रक्तदान कर इस महायज्ञ में भागीदारी निभाई। पतंजलि योग महिला ग्रुप रायपुर, श्री बालाजी योगा ग्रुप श्रीनगर और वयं फाउंडेशन सहित अन्य संस्थाओं की महिलाओं को पौधा बैग और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। **कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि** - मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र शुक्ला (अस्थि रोग विशेषज्ञ, सक्षम प्रांत प्रमुख) और विशेष अतिथि श्रीमती इंदिरा जैन (प्रांत महिला प्रमुख, सक्षम), रामजी रजवाड़े (प्रांत प्रचारक, सक्षम), डॉ. प्रीति उपाध्याय (गाइडेंस एंड काउंसलर), पुष्पा समाजसेविका, श्रीमती अनीता वर्मा (समाजसेविका) और डॉ. प्रीति रानी तिवारी (शिक्षिका) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन, मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ हुई। महिला रक्तदाताओं का योगदान इस कार्यक्रम में लक्ष्मी जिलहरे, सुगंधा जैन, अनीता गजबिहे, चित्रा सोनी, पूजा कुमारी, अदिति रत्नानी, वैशाली पुरोहित, प्रतिभा त्रिपाठी, राधे जिलहरे, शोभा शर्मा (30 बार रक्तदान), अनीता गजबिहे (20 बार), नीलिमा यादव (10 बार) सहित अन्य महिलाओं ने रक्तदान किया। छत्तीसगढ़ के चारों संभागों से आई महिलाओं द्वारा 27 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे थैलेसीमिया और सिकलसेल मरीजों को उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। रक्तदान केंद्र एवं आयोजन समिति कार्यक्रम में आशीर्वाद ब्लड सेंटर, वासु सर जयदीप ब्लड बैंक, विवेक शानू, संरक्षक, गुणानिधि मिश्रा, कार्यक्रम संयोजिका डॉ. भवानी प्रधान, सुमन पांडे, मंच संचालिका शशि यादव, पिंकी गुरु, मंजू वर्मा, कमला गुरु, गुड़िया साहू, टीना सोनी, किरण वर्मा, आशीर्वाद ब्लड सेंटर एवं सर्व ट्रॉम हॉस्पिटल के पूरे स्टाफ ने विशेष सहयोग दिया।

इस आयोजन ने महिला रक्तदाताओं की प्रेरणादायी भूमिका को उजागर करते हुए रक्तदान महादान के संदेश को और मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम में की विधिवत शुरुआत की तत् पश्चात लक्ष्मी जिलहरे सुगंधा जैन,के जय ,अनीता गजबिहे ,जे नारायण जी अम्मा ,अनीता संधी, मुनी व्यास ,डॉ कविता साहू ,मंजूषा संत ,प्रभा येड़े, पी उपारानी,चिन्मय कुमारी पंडा,चित्र सोनी ,पूजा कुमारी अदिति रत्नानी ,वैशाली पुरोहित ,सुमन यादव ,अदिति पटेल प्रतिभा त्रिपाठी ,राधे जिलहरे आयुष मिश्रा ,आई एस श्री आयुषा ,श्री लक्ष्मी ,के शांत अर्चना बोरा कविता साहू , वैशाली पुरोहित 30 शोभा शर्मा 28 बार अनीता गजबिहे 20 बार नीलिमा यादव 10 बार छत्तीसगढ़ के चारों संभाग से अलग अलग शहर और समाज की महिलाओं द्वारा से आज 27 यूनिट रक्तदान किया ।

खास खबर

डेंटल असिस्टेंट पद के लिए 24 मार्च 2025 तक दावा आपत्ति आमंत्रित

कोरबा । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत डेंटल असिस्टेंट एन.यू.एच.एम. पद हेतु वांछनीय योग्यता 12 वीं कक्षा का अंक लिया गया था जिसमें त्रुटि सुधार करते हुए 10 वीं कक्षा के अंक के आधार पर दावा आपत्ति हेतु पात्र-अपात्र की सूची कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सूचना पटल पर एवं जिले के वेबसाइट ूणवतइंण्हवअण्पद में प्रकाशित की गई है।

अभ्यर्थी जिसका अवलोकन कर दावा आपत्ति संबंधी आवेदन 24 मार्च 2025 तक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाकध्कोरियर के माध्यम से शाम 5 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। उक्त निर्धारित तिथि तक केवल डेंटल असिस्टेंट एनयूएचएम पद हेतु ही आवेदन स्वीकार किए जावेंगे। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

मालगाड़ी की चपेट में आकर हलवाई की मौत

कोरबा कोरबा रेलवे स्टेशन के पिट लाइन के पास रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की पहचान लक्ष्मणबंध काली मंदिर के पास रहने वाले नंदू सिदार (50) के रूप में हुई है, जो पेशे से हलवाई है। मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत की आशंका जताई गई है।

मानिकपुर चैकी का मामला है। बुधवार सुबह रेलवे कर्मचारियों ने ट्रैक पर शव देखा और आरपीएफपुलिस को सूचना दी। मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। शव के पास उसके चप्पल अलग-अलग जगहों पर मिले। मृतक के जेब से मिले 50 रुपए नंदू सिदार सुबह 9 बजे किसी काम से घर से निकला था। वह टी-शर्ट और जींस पहने हुए था। जांच में उसकी शर्ट की जेब से 50 रुपए मिले। परिजनों को समझ नहीं आ रहा कि वह घर से इतनी दूर क्यों आया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत की आशंका

स्थानीय लोगों के मुताबिक, मानिकपुर और इमली डुग्गू के पास पहाड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से महुआ बेचा जाता है। यहां लोग शराब पीने आते हैं। आशंका है कि नंदू भी शराब पीने आया होगा और मालगाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। जांच में जुटी पुलिस पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मानिकपुर चैकी पुलिस ने मामला दर्ज कर परिजनों का बयान लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गैरेज से चोरों ने किया लगभग 30 हजार कीमती सामान पार

कोरबा, कोरबा-पश्चिम दीपका क्षेत्र के एक गैरेज में चोरों ने सेंध मारकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा हैं की चोरों ने गैरेज से पाना, वाहनों के फिल्टर, क्लाइल सहित अन्य समानों की चोरी की हैं। जानकारी के अनुसार गैरेज में रखे 30 पाना, 16 गोटी पाना, तीन प्लास, सात पेचकस, स्टेंशन राड, नया चैन किट, ब्रेक शू, क्लच केबल, एक्सीलेटर केबल, ब्रेक केबल, पेकिंग किट, फूल पेकिंग किट, मेगनेट पेकिंग किट, एयर फिल्टर, स्पलेण्डर फिल्टर सहित अन्य सामान चोरी हुए हैं।

स्वच्छता की अलख जगाने बस्तियों मोहल्लों में पहुंचेगा निगम का स्वच्छता रथ

0 महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्वच्छता रथ को दिखाई हरी झण्डी

कोरबा कोरबा सफाई में नाम करेगा शान से - आप भी जुड़े स्वच्छ कोरबा अभियान से '' की थीम को लेकर स्वच्छता की अलख जगाने बस्तियों, मोहल्लों में निगम का स्वच्छता रथ पहुंचेगा, शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई के प्रति आमजन को जागरूक करते हुए स्वच्छ कोरबा अभियान से जुड़ने आमनागरिकों का आव्हान करेंगा। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्वच्छता रथ को हरी झण्डी दिखाई तथा स्वच्छता के प्रचार प्रसार हेतु रवाना किया।

कोरबा शहर को साफ-सुथरा, सुंदर व आकर्षक बनाने, लोगों को साफ-सफाई एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करने तथा शहर की स्वच्छता हेतु सबकी सहभागिता प्राप्त करने की दिशा में आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की अगुवाई में नगर निगम कोरबा द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यो, गतिविधियों, आयोजनों की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में अब निगम का '' स्वच्छता रथ '' नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्ड एवं बस्तियों, मोहल्लों, पारों में पहुंचकर आम लोगों के बीच स्वच्छता की अलख जगाएगा तथा अपने कोरबा शहर को '' स्वच्छ कोरबा - सुंदर कोरबा '' का सम्मान दिलाने उनकी सहभागिता का आव्हान करेगा। उक्त रथ को विविध स्वच्छता थीमों स्लोगन आदि से सुसज्जित करते हुए रथ में बड़ी साईज की एलईडी स्थापित की गई है, जिसके माध्यम से महापौर, कलेक्टर एवं आयुक्त का कोरबावासियों के नाम से स्वच्छता के संदेश के साथ-साथ निगम द्वारा साफ-सफाई के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक कार्यो, संचालित गतिविधियों का प्रचार प्रसार किया जाएगा। नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने हरी झण्डी दिखाकर स्वच्छता रथ को रवाना किया।

शुभंकर '' सोनू '' बनेगा सफाई का राजा - महापौर श्रीमती राजपूत एवं कलेक्टर श्री वसंत ने इस मौके पर निगम के स्वच्छता शुभंकर (सोनू) का इनोग्रेशन भी किया, जो '' सफाई का राजा '' बनकर लोगों को शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई के प्रति आकर्षित करेगा। यहॉ उल्लेखनीय है कि सोनू एक हाथी का छोटा सा बच्चा था, जो अपनी मॉ से बिछड़ गया था, अब वह पुनः लौटा है तथा शहर में घूम-घूम कर या चैक-चैराहों में खड़े होकर लोगों को स्वच्छता का संदेश देगा, खुद भी झाडू लगाएंगा तथा साफ-सफाई में सबकी सहभागिता प्राप्त करेगा।

सफाई रिक्शों में गूॅजेंगी स्वच्छता की गूॅज - डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण में संलग्न निगम के सफाई रिक्शों में अब स्वच्छता की गूॅज, गुॅजायमान होगी तथा गायिका सुरभि एवं ऋषिराज पाण्डेय के सुमधुर गीतों के माध्यम से शहर की स्वच्छता हेतु लोगों को जागरूक करेगी। आज इस मौके पर महापौर एवं कलेक्टर ने सफाई रिक्शों पर गूंजने वाले इस स्वच्छता सॉग का भी इनोग्रेशन किया।

कोरबा को स्वच्छ सुंदर बनाने, दें सहयोग - इस मौके पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने नगरवासियों का आव्हान करते हुए उनसे अपील की, कि वे अपने कोरबा शहर को स्वच्छ व सुंदर शहर बनाने में अपना सहयोग दें, साफ-सफाई के प्रति जागरूक रहें, न तो गदंगी करें और न ही किसी अन्य को गदंगी करने दें। उन्होने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण एवं साफ-सफाई के प्रति अधिक से अधिक जागरूकता लोगों के बीच आए, इसके मद्देनजर निगम द्वारा वार्ड एवं बस्तियों में स्वच्छता रथ चलाया जाएगा, जो स्वच्छता का प्रचार प्रसार करेगा, इस रथ का आज शुभारंभ किया गया है। इसी प्रकार स्वच्छता शुभंकर सोनू व स्वच्छता सॉग का विमोचन भी हुआ है, निगम की यह पहल निश्चित रूप से सराहनीय पहल है।

शहर की स्वच्छता में हो, सबकी सहभागिता - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि कोरबा शहर की स्वच्छता एवं इसकी सुंदरता में सबकी सहभागिता मिले, हमारा कोरबा शहर स्वच्छता के क्षेत्र में देश व प्रदेश में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करें, इस हेतु मैं कोरबा के नागरिकबंधुओं से आग्रह करती हूॅ कि वे साफ-सफाई व्यवस्था में अपना सहयोग दें। वहीं निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने इस मौके पर कहा कि स्वच्छता रथ वार्ड एवं बस्तियो में पहुंचेगा, लोगों को स्वच्छता का संदेश देगा, वहीं निगम के 200 सफाई रिक्शों व वाहनों के माध्यम से स्वच्छता आधारित गीतों की गूॅज शहर के कोने-कोने तक गुॅजायमान होगी तथा दूसरी ओर स्वच्छता शुभंकर '' हमर सोनू '' भी लोगों के बीच स्वच्छता की अलख जगाएगा।

महापौर की अध्यक्षता एवं आयुक्त की उपस्थिति में सम्पन्न हुई नवगठित मेयर इन काउंसिल की पहली बैठक

मेयर इन काउंसिल की बैठक में निगम के विभिन्न कार्यो से जुड़े प्रस्तावों को दी गई स्वीकृति

कोरबा निगम का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2024-25 एवं बजट वर्ष 2025-26 एमआईसी द्वारा पारित कर आवश्यक स्वीकृति हेतु साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया गया। मेयर इन काउंसिल द्वारा निगम के विभिन्न कार्यो से जुड़े प्रस्तावों पर विचार विमर्श पश्चात सर्वसम्मति से आवश्यक स्वीकृतियॉं भी दी गई, साथ ही राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजना के हितग्राहियों को भी एम.आई.सी. द्वारा अपनी स्वीकृति प्रदान की गई।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय की विशेष उपस्थिति में निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक निगम कार्यालय साकेत भवन स्थित एम.आई.सी. कक्ष में आयोजित हुई, बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य हितानंद अग्रवाल, भानुमति जायसवाल, अजय गोंड़, धनकुमारी गर्ग, फिरतराम साहू, उर्वशी राठौर, ममता यादव, अजय कुमार चन्द्रा एवं सरोज शांडिल्य आदि उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2024-25 एवं बजट वर्ष 2025-26 मेयर इन काउंसिल के समक्ष रखा गया, एमआईसी द्वारा सर्वसम्मति से बजट प्रस्ताव को पारित करते हुए बजट को आवश्यक स्वीकृति हेतु निगम की आगामी साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया गया। बैठक के दौरान स्व.केशवलाल मेहता स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 हेतु अनुदान, सुनालिया ज्वेलर्स के पास आरयूबी निर्माण के कारण बिछाई गई डीआई पाईप लाईन शिफ्टिंग कार्य, बनिया तालाब का विकास व संरक्षण कार्य, वयवंदन कार्ड के संबंध में, सामुदायिक भवनों का रखरखाव, विवेकानंद उद्यान के संबंध में, निगम कर्मचारियों का सेटअप पुनरीक्षण सहित अन्य विविध प्रस्तावों पर विस्तार से विचार विमर्श पश्चात सर्वसम्मति से आवश्यक निर्णय लिए गए, वहीं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना व सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजना आदि की स्वीकृति भी एमआईसी द्वारा प्रदान की गई।

रायपुर के होटल में मिला रायगढ़ के युवक का शव, 3 दिन से था लापता...

रायपुर)। राजधानी के एक होटल में एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान शिवाशीष प्रधान (24) के रूप में हुई है, जो रायगढ़ जिले के नवापारा गांव का रहने वाला था। वह बीते तीन दिनों से लापता था, जिसके बाद उसके परिजनों ने पुसौर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पुलिस इस मामले में आत्महत्या की आशंका जता रही है।

कमरे में लटका मिला शव

यह पूरा मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र के होटल श्री हरदेव रामसागर पारा का है। होटल स्टाफने पुलिस को सूचना दी कि कमरा नंबर 203 में रुका युवक काफी समय से बाहर नहीं निकला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तो कमरे के भीतर युवक की लाश पंखे से लटकी मिली।

आर्थिक तंगी बनी मौत की वजह?

पुलिस के अनुसार, मृतक शिवाशीष प्रधान मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (रूक्र) का काम करता था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उसने स्कार्फके सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की है। शव का चेहरा और हाथ काले पड़ चुके थे, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि घटना कई घंटे पहले की हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार, मृतक आर्थिक तंगी और कर्ज से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

कोरबा जिले के सीमावर्ती मोरगा पुलिस चैकी के अंतर्गत केंदुई आश्रम के पास एन एच 130 अंबिकापुर- कटघोरा सड़क मार्ग पर बुधवार रात करीब 10 बजे भीषण सड़क हादसा होने की खबर है। घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी इरफान खान ने बताया कि लगभग सवा दस बजे के दरम्यान वह मोरगा सप्ताहिक आम बाजार करके वह अपने घर की ओर लौट रहा था कि एक यु पी पासिंग वाहन ट्रक क्रमांक यु पी 67 टी 9908, के अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोरगा की ओर से आ रहे दो लोग जिनका वाहन मोटरसाइकिल में नम्बर दिखाई नहीं दे रहा है। , जिन्हें जोरदार ठोकर दिया। वे दोनों युवक वाहन के अन्दर घुस गये और बाइक सड़क से उतर कर जंगल तरफफेंका गई।

विस्थापितों को मुआवजा पर संदेह, शिविर में किया शिकायतों का निराकरण

कोरबा, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के द्वारा गेवरा दीपका क्षेत्र में अपनी कॉल माइंस के विस्तार के लिए लगातार कोशिश की जा रही है। मलगांव में भू अर्जन से प्रभावित लोगों की ओर से कई प्रकार की शिकायत लगातार की जा रही थी जिस पर प्रशासन ने संज्ञान लिया। गांव में शिविर लगाकर लोगों की बात सुनी गई और उनकी शिकायतों का निराकरण किया गया।

कटघोरा राजस्व सब डिवीजन के अंतर्गत यह गांव शामिल है जहां तक कोल माइंस का विस्तार किया जा रहा है। इस हिस्से तक कोयला की पट्टी मौजूद होने की बात सर्वेक्षण में सामने आई थी जिसके बाद आगे की प्रक्रिया को बढ़ाया गया। भू अर्जन नियमों के अंतर्गत इस गांव की जमीन कोयला खदान के लिए अर्जित की जा रही है। इस प्रक्रिया में अलग-अलग उपयोग से संबंधित जमीन के अतिरिक्त बोरवेल, हैंड पंप, पेड़ पौधे आदि जद में आ रहे हैं। इन सभी के लिए सरकार ने विस्थापन और पुनर्वास नीति में कई प्रकार के नियम बना रखे हैं और इसी हिसाब से प्रभावित पक्ष को मुआवजा देने का नियम है। औद्योगिक जिले कोरबा में उद्योगों की स्थापना और विस्तार के लिए लगातार जमीन का अर्जन हो रहा है और परिवर्तित नियम के अंतर्गत मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जा रही है। मलगांव से संबंधित मामले को लेकर यहां के लोग लगातार इस बात की शिकायत करते रहे हैं कि सर्वेक्षण और नाप जोक के बाद उनके मुआवजा प्रकरण विसंगति पूर्ण है और कहीं ना कहीं गड़बड़ी की गई है जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। कई स्तर तक इस बारे में शिकायत होने पर जिला प्रशासन को आखिरकार संज्ञान लेना पड़ा। कटघोरा सबडिवीजन के अधिकारी और कर्मचारी इस विषय को लेकर कैंप में शामिल हुए। मौके पर ऐसे सभी विषय पर बातचीत हुई। लोगों को बताया गया कि भू अर्जन और मुआवजा को लेकर किस प्रकार के नियम वर्तमान में प्रचलित है और उनमें क्या कुछ सहूलियत लोगों को दी जा रही है। अधिकारियों ने रिकॉर्ड और कई महत्वपूर्ण आधार से लोगों को शिविर में जानकारी दी और उन्हें संतुष्ट करने का हर संभव प्रयास किया। उनके जो सवाल थे उनका समुचित जवाब भी इस शिविर में दिया गया। मलगांव बी प्रशासन की ओर से आयोजित किया गया शिविर लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका निराकरण करने पर केंद्रित था।

कलेक्टर ने पोड़ी उपरोड़ा के सरभोंका जलाशय में किया केंज कल्चर का निरीक्षण

0 जिले में मत्स्य उत्पादन और एक्वा टूरिज्म को बढ़ाने सहयोग की बात कही

कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत ने पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सरभोंका के निमऊ कछार में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और जिला खनिज संस्थान न्यास के सहयोग से स्थानीय मछुवारों द्वारा केज के माध्यम से किए जा रहे मत्स्य पालन का निरीक्षण किया।

उन्होंने यहां बांगो सहित आस-पास के पंजीकृत मछुवारा समिति के सदस्यों से चर्चा कर उनके द्वारा मत्स्य पालन से हो रही आमदनी और जीवन स्तर में बदलाव को भी जाना। स्थानीय ग्रामीणों ने कलेक्टर को बताया कि केज कल्चर के माध्यम से उन्हें हर साल 80 से 90 हजार की आमदनी तो होती ही है, इसके साथ ही साफ-सफाई, मछली के परिवहन और बिक्री में भी आमदनी होती है। यहां 800 नग में केज लगाया गया है, जिसमें 9 पंजीकृत मछुवारा समिति है और लगभग 160 सदस्यों को 5-5 केज उपलब्ध कराया गया है। उन्हें प्रशिक्षित और अनुभवी व्यक्ति द्वारा केज के माध्यम से मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन भी मिलता रहता है। इसके साथ ही यहां से उत्पादन की जाने वाली मछली को बाहर निर्यात किया जाता है। जिससे उनकी आमदनी होती है और इससे जीवनस्तर में भी बदलाव आ रहा है।

कलेक्टर श्री वसंत ने मौके पर मत्स्य अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिले में केज कल्चर को बढ़ावा देने तथा इसके माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों-मछुवारों को रोजगार का अवसर प्राप्त होने से आर्थिक लाभ मिलने और केज के विस्तार के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर प्रकार सहयोग की बात कही। उन्होंने लैण्डिंग सेंटर, प्रोसेसिंग यूनिट, एक्वा पार्क विस्तार तथा एक्वा टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सहयोग करने की बात कही। उन्होंने ग्रामीणों से स्थानीय समस्याओं और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में भी जानकारी ली। इस अवसर पर पोड़ीउपरोड़ा ब्लॉक के एसडीम श्री तुलाराम भारद्वाज और मत्स्य विभाग के अधिकारी श्री क्रांतिकुमार बघेल भी उपस्थित थे।

कार्यालय के पास से कबाड़ की हुई चोरी

कोरबा, संवाददाता। एसईसीएल दीपका खदान के समानता कार्यालय के पास रखे कबाड़ की चोरी हो गई है। सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक ने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है।

एसईसीएल दीपका खदान में पदस्थ सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक ने बताया कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात खदान के समानता कार्यालय के पास पुराना रोलर और लोहा के स्क्रेप पाइप सहित अन्य लोहे रखे गए थे। सुरक्षा कर्मी की नजर इस स्क्रेप पर पड़ी तो पांच क्विंटल स्क्रेप नहीं थे। एसईसीएल की कोयला खदानों से कबाड़ और डीजल की चोरी को रोकने को लेकर प्रयास जारी है।

सभी विकासखंडों में संगठित, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण के लिए मोबाइल कैम्प शिविर का आयोजन

पिथौरा मुढ़ीपार में मोबाइल कैम्प शिविर 21 मार्च को

महासमुंद, शासन के घोषणा अनुरूप जिले में मोबाइल कैंप का आयोजन कर संगठित, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजनाओं का आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाना है।

श्रम पदाधिकारी ने बताया कि इस हेतु जिले के सभी विकासखण्डों में 64 स्थलों पर 19 मार्च से 20 जून 2025 तक मोबाइल कैंप शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम बोरियाझर में 1 अप्रैल को, झालखम्हरिया में 8 अप्रैल, सिरगिड़ी में 16 अप्रैल, कोसरंगी में 21 अप्रैल, जामली में 01 मई, केसवा में 8 मई, पिटियाझर में 16 मई, पतेरापाली में 26 मई, मुड़मार में 2 जून, उमरदा में 9 जून एवं गौरखेड़ा में 16 जून को शिविर का आयोजन होगा। इसी तरह बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम अरंड में 24 मार्च, दारगांव में 27 मार्च, हरनादादर में 4 अप्रैल, खाड़ादरहा में 11 अप्रैल, डांगरीपाली में 25 अप्रैल, मोहंदी में 29 अप्रैल, जुनवानी में 6 मई, रैताल में 13 मई, गबौद में 21 मई, खुसरूपाली में 29 मई, डोकरीपाली में 5 जून, कोल्दा में 12 जून एव खल्लारी में 19 जून को, पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत मुढ़ीपार में 21 मार्च को, गोड़बहाल में 2 अप्रैल, अठारगुड़ी में 9 अप्रैल, किशनपुर में 17 अप्रैल, खैरखुटा में 24 अप्रैल, गोपालपुर में 2 मई, सेपाष में 9 मई, भोकलुडीह में 20 मई, डोंगरीपाली में 28 मई, खुटेरी में 4 जून, कौहाकुड़ा में 11 जून एवं बरतुंगा में 18 जून को शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी तरह बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम दूधीपाली में 26 मार्च को, बिछिया (पो) में 3 अप्रैल, सकरी में 7 अप्रैल, कुरचुंडी में 14 अप्रैल, खेमड़ा में 22 अप्रैल, खटखटी में 28 अप्रैल, छोटेपटनी में 5 मई, रसोड़ा में 7 मई, गढ़पटनी में 14 मई, बरगांव में 19 मई, जमड़ी में 27 मई, भठोरी में 3 जून, बारडोली में 10 जून एवं चिमरकेल में 17 जून तथा सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत चट्टीगिरोला में 28 मार्च, तोषगांव में 10 अप्रैल, कुटेला में 15 अप्रैल, केना में 23 अप्रैल, सिरपुर में 30 अप्रैल, बालसी में 12 मई, सेमलिया में 15 मई, भुथिया में 22 मई, राजाडीह में 30 मई, अन्तर्ला में 6 जून, कनकेवा में 13 जून एवं पैकिन में 20 जून को मोबाईल कैम्प शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शार्ट न्यूज

आपसी रंजिश में अधेड़ को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, वार्ड क्रमांक 6 ग्राम मुरा में एक युवक ने अधेड़ पर हसिया से हमला कर घायल कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक रंजीत साहू 49 वर्ष ग्राम मुरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि आरोपी ग्राम मनोज साहू 21 वर्ष ने आपसी रंजिश के चलते रंजीत साहू के गला एवं कंधा पर हसिया से हमला कर हत्या कर दी। मामले में खरोरा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जमीन का सौदा तय कर 4 करोड़ से अधिक की ठगी

रायपुर, प्रोफेसर कालोनी मदर प्राइड स्कूल के पास जमीन का सौदा तय कर 4 करोड़ से अधिक का रकम बयाना लेकर रजिस्ट्री नहीं करवाने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी पतिराम साहू 62 वर्ष गौठियापारा उरकुरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी सुपेता मटियारा, विजय सपहा, बृजलाल, राकेश व अन्य लोगों ने प्रोफेसर कालोनी मदर प्राइड स्कूल के पास स्थित जमीन का 7 करोड़ 47 लाख 60 हजार में सौदा तय कर 4 करोड़ 21 लाख 43 हजार रुपए बयाना लेकर रजिस्ट्री नहीं करवाया। प्रार्थी की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

82 लाख से अधिक की हेराफेरी, ब्रांच मैनेजर के खिलाफ जुर्म दर्ज

रायपुर, 20 मार्च (आरएनएस)। एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर ने अपने पद का दुरूपयोग कर 82 लाख से अधिक की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रविस साह 40 वर्ष एचडीएफसी बैंक देवेन्द्र नगर में कार्यरत है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी नितिन देवांगन 38 वर्ष एचडीएफसी बैंक देवेन्द्र नगर में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत था।

बिलासपुर- हैदराबाद की ट्रायल फ्लाइट को यात्रियों का मिला अच्छा रिस्पांस

संवाददाता।

रायपुर, एलाइंस एयर कंपनी ने हैदराबाद- बिलासपुर-हैदराबाद के बीच मंगलवार को ट्रायल फ्लाइट चलाई. कंपनी ने उक्त फ्लाइट की घोषणा एक दिन पहले की. इसके बाद भी यात्रियों का अच्छा रिस्पांस मिला. एक ही दिन में बिलासपुर से हैदराबाद जाने के लिए 19 टिकट बिक गए, जो बिजनेस की दृष्टि से काफी अच्छा माना जा रहा है.

बिलासपुर से हैदराबाद हवाई सेवा शुरू होने में शहर अब एक कदम आगे बढ़ गया है. बिलासा एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ान शुरू होने के बाद से हैदराबाद फ्लाइट की मांग हो रही है. इसको चलाने के लिए एलाइंस एयर कंपनी ने भी अपनी सहमति छह माह पहले दे दी है. लेकिन कंपनी के पास एयरकॉफ्ट की कमी के कारण विंटर शेड्यूल में हैदराबाद उड़ान शामिल नहीं हो सका था. अब एक बार फिर से हैदराबाद फ्लाइट शुरू होने के असार बन रहे हैं.

इसको ध्यान रखते हुए एलाइंस एयर कंपनी ने मंगलवार को हैदराबाद-बिलासपुर-हैदराबाद के बीच एक ट्रायल फ्लाइट चलाई. यह हैदराबाद से बिलासपुर आने के बाद यात्रियों को लेकर कोलकाता गई. कौलकाता से बिलासपुर आने के बाद बिलासपुर से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी. ट्रायल फ्लाइट को उम्मीद से कहीं अधिक रिस्पांस मिला है. कंपनी ने उक्त फ्लाइट को चलाने की घोषणा एक दिन पहले की थी. इसके बाद भी बिलासपुर से हैदराबाद जाने के लिए 19 टिकट बुक हो गए.

यह 72 सीटर एटीआर विमान के लिए काफी अच्छा रिस्पांस है. उतने यात्री तो कई बार नियमित रूट में भी नहीं मिलते. वहीं जानकारी के अभाव के कारण हैदराबाद से बिलासपुर सिर्फ एक यात्री पहुंचा. एलाइंस एयर कंपनी का मैनेजमेंट हैदराबाद ट्रायल फ्लाइट के रिस्पांस को देखते हुए उसको नियमित रूप से एक बार फिर से गंभीरता से विचार कर रही है. इसकी घोषणा जल्द होने की उम्मीद है.

14 घंटे का सफर सिर्फ 1.50 घंटे में बिलासपुर से हैदराबाद जाने के लिए ट्रेन और सड़क मार्ग है. इसमें ट्रेन से हैदराबाद जाने में अंचल के लोगों को करीब चौदह घंटे लगते हैं. वहीं हवाई जहाज से उक्त दूरी सिमट कर सिर्फ1 घंटा 50 मिनट हो गई है. वहीं बिलासपुर से हैदराबाद का न्यूनतम किराया भी 2999 रूपए है. जो काफी अधिक नहीं है. साथ ही उसमें समय भी काफी बचता है.

छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर आवास प्लस 2.0 सूची में किया जाएगा शामिल

0 गांवों में घर-घर जाकर किया जा रहा सर्वे कार्य

सुकमा, संवाददाता। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत भारत सरकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 01 अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण प्रारंभ किया गया है जिसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में निवासरत गरीब व बेघर पात्र परिवारों हेतु सभी के लिए पक्का आवास के लक्ष्य को प्राप्त करना है। राज्य शासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना के क्रियान्वयन में 2024-25 से 2028-29 तक वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसके अंतर्गत आवासों के निर्माण हेतु नया मापदंड तैयार किया गया है। जिसके अंतर्गत मोटरयुक्त तिपाहिया व चौपहिया वाहन, मशीनीकृत तिपाहिया व चौपहिया कृषि उपकरण, 50 हजार रुपए अथवा इससे अधिक ऋण सीमा वाले किसान क्रेडिट कार्ड, ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पंजीकृत गैर कृषि उद्यम परिवार, ऐसे परिवार जिनका कोई सदस्य 15 हजार से अधिक कमा रहा है, आयकर देने वाले परिवार, व्यवसाय कर देने वाले परिवार, ऐसे परिवार जिनके पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक की सिंचित भूमि हो, ऐसे परिवार जिसके पास 05 एकड़ या इससे अधिक असिंचित भूमि हो अपात्र होंगे इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वर्ष 2018 में तैयार की गई आवास प्लस के सूची के अनुसार छुटे हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जावेगा तथा नये मापदण्ड के आधार पर सभी पात्र परिवारों को आवास प्लस सूची में शामिल किया जावेगा। आवास प्लस में सर्वे कार्य तेजी से पूर्ण करने के लिए तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक और आवास सहायक को सर्वेयर बनाया गया है। सर्वे करने वाले सर्वेयर का पंजीयन आवास सॉफ्ट पोर्टल पर अनिवार्य किया गया है। जिला सीईओ नम्रता जैन ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत सभी पात्र परिवारों का सर्वे कार्य आवास प्लस मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से किया जा रहा है। अगर किसी कारण से सर्वे हेतु कोई पात्र परिवार छुट जाता है तो हितग्राही ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र से संपर्क कर अपना सर्वे कार्य पूर्ण करा सकते है।

जोगीपाली-कनकी जंगल में लगी भीषण आग

कोरबा-रायपुर जिले के जोगीपाली-कनकी जंगल में बीती रात भीषण आग लग गई, जिससे जंगल धधकता रहा। आग धीरे-धीरे विकराल रूप धारण कर बड़े इलाके में फैल गई। ग्राम पंचायत जोगीपाली के ग्रामीणों ने जंगल में आग लगने की सूचना वन विभाग को दी, लेकिन वनकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश करते नहीं दिखे। आग के कारण जंगल को भारी नुकसान हुआ है।

वाहन एवं मोबाईल लूट/चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता।

रायपुर,)। जिले के विभिन्न स्थानों से वाहन,मोबाईल की लूट सहित चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक अंतर्राज्यीय आरोपी सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूट की यामहा आर वन फाईव मोटर सायकल, एक मोबाईल फ ोन, चोरी की प्लेटिना मोटर सायकल तथा घटना में प्रयुक्त एक्टिवा व पल्सर मोटर सायकल जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दिनेश कुमार रेड्डी ने थाना अभनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह ग्राम सातपारा तेंदुपत्ता गोदाम में मैनेजर का काम करता है कि दिनांक 20.02.2025 के रात्रि करीब 8 बजे प्रार्थी अपने साथी शमशेर अंसारी के यामहा आर वन फाईव मोटर सायकल क्रमांक सी जी/04/पी क्यू/2699 को लेकर अकेले छोटे उरला स्थित अंग्रेजी शराब दुकान पास मोटर सायकल को खडी कर अपने मोबाईल फ ोन से बात कर रहा था, उसी समय तीन अज्ञात लडके अपने पल्सर मोटर सायकल से प्रार्थी के पास आकर प्रार्थी पर चाकू टिकाकर जान से मारने की धमकी देकर उसके मोबाईल फोन, जेब में रखें नगदी रकम 1500 रूपये तथा यामहा आर वन फाईव मोटर सायकल क्रमांक सी जी/04/पी क्यू/2699 को लूट कर फरार हो गये, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना अभनपुर में धारा 309(4) बी.एन.एस. 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। लूट की घटना को पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक अटल नगर नवा रायपुर कर्ण कुमार उके, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह, थाना प्रभारी अभनपुर तथा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को अज्ञात आरोपियों की जल्द से जल्द पतासाजी कर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।

खनिज प्रबंधन में डिजिटल युग की नई शुरुआत

खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता और नवाचार का नया अध्याय

2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक 11,581 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व अर्जित

रायपुर, आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पारदर्शी खनन नीति, ई-नीलामी, डिजिटल निगरानी और पर्यावरण-संवेदनशील खनन रणनीतियों को अपनाकर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास को नए आयाम दिए हैं।

खनिज संसाधनों के सुव्यवस्थित उत्खनन के चलते बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ के खनिज राजस्व में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के गठन के समय की तुलना में खनिज राजस्व में 30 गुना वृद्धि हुई है, जो 2023-24 में 13,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और 2024-25 में अप्रैल से फरवरी तक ही 11,581 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। यह पारदर्शी खनन नीति और प्रभावी प्रशासन का परिणाम है। अब तक 44 खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी सफलतापूर्वक की जा चुकी है, जिसमें अब तक चूना पत्थर के 14, लौह अयस्क के 9, बॉक्साइट के 11, स्वर्ण के 3, निकल, क्रोमियम के 2, ग्रेफाइट के 2, ग्लूकोनाइट के 2 और लिथियम के 1 खनिज ब्लाक की नीलामी की गई है।

प्रदेश में अब तक 10 क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स की सफलतापूर्वक नीलामी

भारत सरकार द्वारा देश के आर्थिक एवं सामरिक विकास को ध्यान में रखते हुए क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के लिए राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई है। इस के अनुरूप प्रदेश में विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 से ही क्रिटिकल एवं सामरिक महत्व के खनिजों के अन्वेषण/खोज पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके तहत 56 अन्वेषण परियोजनाओं में से 31 परियोजनाओं अंतर्गत क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स पर कार्य किये जा रहे है। प्रदेश में अब तक 10 क्रिटिकल एवं डीप सीटेड मिनरल्स ब्लॉक्स जिसमें लिथियम का 1, स्वर्ण का 3, निकल, क्रोमियम का 2, ग्रेफाइट का 2 ग्लूकोनाइट के 2 मिनरल ब्लॉक की नीलामी की गई है।

देश में पहली बार खनिज लिथियम ब्लॉक की सफलतापूर्वक नीलामी की कार्यवाही भारत सरकार द्वारा की गई है। जिसके तहत् जिला कोरबा के कटघोरा लिथियम ब्लॉक को मेसर्स साउथ मायकी मायनिंग कंपनी को 76 प्रतिशत प्रीमियम राशि पर आबंटित किया गया है। राज्य के सुकमा एवं कोरबा जिले में भी लिथियम अन्वेषण कार्य किया जा रहा है जिसमें लिथियम के भण्डार पाये जाने की पूर्ण **संभावना है।**

'बैलाडीला लौह अयस्करू भारत के खनन क्षेत्र का मजबूत स्तंभ' - बैलाडीला क्षेत्र भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडारों में से एक है। यहां तीन नए लौह अयस्क ब्लॉकों की ई-नीलामी प्रक्रिया जारी है, जिसे मार्च 2025 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा कांकेर जिले के हाहालद्दी लौह अयस्क खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया भी अंतिम चरण में है।

पर्यावरण संतुलन और पारदर्शी निगरानी प्रणाली'

पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए खनन क्षेत्र को अधिक पारदर्शी और वैज्ञानिक रूप से संचालित करने के लिए सरकार ने कई नई पहल की हैं। सेटेलाइट इमेजरी और माइनिंग सर्विलियेंस सिस्टम के माध्यम से अवैध खनन की निगरानी की जा रही है। गौण खनिज खानों में सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक पद्धति से खनन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार बेहतर कार्य करने वाले पट्टेधारियों को 'स्टार रेटिंग' प्रणाली के तहत प्रोत्साहित कर रही है।

खनिज राजस्व से सामाजिक विकास और बुनियादी सुविधाओं में निवेश

खनिज राजस्व का एक बड़ा हिस्सा प्रदेश के सामाजिक विकास में निवेश किया जा रहा है। जिला खनिज संस्थान न्यास के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 1,673 करोड़ रुपये की निधि प्राप्त हुई है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और कौशल विकास सहित 9,362 विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हो रहा है।

खनिज अन्वेषण कार्यों का विस्तार और नई परियोजनाएँ' राज्य सरकार ने चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क और ग्रेफाइट सहित कुल 13 खनिज परियोजनाओं में अन्वेषण कार्य शुरू किया है। प्रारंभिक सर्वेक्षणों में चूना पत्थर के 283 मिलियन टन, लौह अयस्क के 67 मिलियन टन और बॉक्साइट के 3 लाख टन भंडार का अनुमान लगाया गया है। स्वर्ण, ग्रेफाइट और ग्लूकोनाइट जैसे खनिजों की खोज भी की जा रही है, जिससे राज्य के खनन क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी। इसके अलावा सूरजपुर जिले के जाजावल क्षेत्र में यूरेनियम ब्लॉक के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। कोल बेड मीथेन पूर्ववर्ती कोरिया जिले में वेदांता लिमि. एवं ऑईलमैक्स को पेट्रोलियम अन्वेषण लायसेंस स्वीकृत किया गया है। मैंगनीज ओर इंडिया लि. (मोईल) द्वारा सीएमडीसी के साथ प्रदेश में प्रथम बार बलरामपुर क्षेत्र में खनिज मैंगनीज का भंडार चिन्हित किया गया है।

राजवंश के समाधि स्थलों की सुध ली महापौर संजय पांडे ने, राजा प्रवीरचंद्र भंजदेव की पुण्यतिथि 25 को

प्राचीन मठों की साफ सफाई के दिए निर्देश

जगदलपुर, संवाददाता । बस्तर राजवंश के समाधि स्थल को धरोहर के रूप में सहेजने संवारने की ओर नए महापौर संजय पांडे ने कदम बढ़ाए हैं। 25 मार्च को बस्तर के महाराज प्रवीर चंद्र भंजदेव की पुण्यतिथि मनाई है। उसके पहले ही राजपरिवार के पूर्वजों के मठों की मरम्मत और साफ सफाई के निर्देश निगम अमले को मेयर संजय पांडे ने दिए हैं। जगदलपुर के विजय वार्ड में इंद्रावती नदी के किनारे कई प्राचीन राज मठ हैं। ये की बस्तर राज परिवार के दिवंगत सदस्यों के समाधि स्थल हैं। इंद्रावती नदी किनारे बस्तर राजपरिवार एवं कुंवर परिवार के पूर्वजों के कई मठ हैं जो अलग अलग काल में बनाए गए हैं। इनमें महाराजा रूद्रप्रताप देव, महारानी प्रफुल्ल कुमारी देवी, महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव, महाराजा विजयचंद्र भंजदेव महाराजा भरतचंद्र भंजदेव आदि के मठ भी शामिल हैं। इन मठों के समीप 22 सीढ़ियां बनी हुई हैं जो इंद्रावती नदी में जाने के लिए उपयोग की जाती रही हैं। इन मठों के निकट राज परिवारों से इतर लोगों के मठों का निर्माण किया गया था, इनका निर्माण राजा भैरम देव द्वारा कराया गया है। इन मठों का निर्माण वर्तमान राजमहल की उत्तरी दिशा में अलग अलग स्थानों पर किया गया है। स्व. राजा प्रवीरचंद्र भंजदेव का मठ भी वहीं पर स्थित है। महापौर संजय पांडे आज निगम अमले के साथ उक्त स्थल का दौरा एवं निरीक्षण किया। उन्होंने निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन और आयुक्त के साथ मिलकर राजपरिवार के मठ को बस्तर की धरोहर के रूप में जल्द संवारने और सहेजने के निर्देश दिए। वार्ड और समाधि स्थल की साफसफाई पर पुण्यतिथि के बाद भी नियमित रुप से कराने हेतु कहा। महापौर संजय पांडे आज सुबह से ही इस व्यवस्था में जुटे रहे। महापौर संजय पांडे की मंशा है कि महराज प्रवीरचंद्र भंजदेव की पुण्यतिथि को एक ऐतिहासिक पर्व के रूप में मनाया जाए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)